भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

पौष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - षष्ठी, संवत 2079 | पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-8, अंक-42, 14 दिसम्बर - 20 दिसम्बर, 2022 | मूल्य ₹ 5/- | वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

न्याय प्रक्रिया पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति भी चिंतित!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा

@jagrukjanta.net

न्यायपालिका देश की सर्वोच्च संस्था है। हम सब इस संस्था का सम्मान करते हैं। हमारे देश में बहुत कुछ अच्छा है तो बहुत कुछ अच्छा नहीं है। पीड़ित को न्याय समय पर नहीं मिलना भी मन को पीड़ा पहुंचाता रहता है। बार-बार कोर्ट के चक्कर लगाओ, तारीखें लाओ और घर जाओ। फिर वही क्रम। ऐसे कई बरस निकल जाते हैं। न्याय की इंतजार में कई लोग इस संसार से कूच कर जाते हैं। उनकी पीढ़ियां तारीखों पर जाती देखी जा सकती है। कई मामले तो ऐसे होते हैं जिनका कब फैसला हुआ, फैसला हुआ या नहीं ये भी पता नहीं लगता। तारीखों पर जाने वाले दुनिया से चले जाते हैं और उनके पीछे वाले मुकदमों में न्याय का इंतजार ही करते रह जाते हैं। पिछले दिनों हमारी राष्ट्रपति ने भी न्याय प्रक्रिया से जुड़े हुए जिम्मेदारों को यहां तक कह दिया कि मैं जो नहीं कह पाई उसे भी समझना चाहिए। बहुत से निरपराध तारीखों पर तारीखों के चलते जेलों में जीवन काटते रहते हैं और कई अपराधी वकीलों की वाकपटुता के कारण खुले घूमते रहते हैं। इसी प्रकार उपराष्ट्रपति भी न्याय प्रक्रिया पर चिंता जता चुके हैं। उन्होंने न्याय प्रक्रिया को बहुत नजदीक से देखा है। पीड़ित को न्याय मिले और समय पर मिले। व्यवस्था ये होनी चाहिए। हालांकि लोक अदालतों के जरिए भी बहुत से मामलों का निपटारा किया जा रहा है। फिर भी मुकदमों की संख्या चिंतनीय आंकड़ों तक है। उनके भी शीघ्र निपटारे की व्यवस्था होनी चाहिए। हमारे देश में न्याय प्रक्रिया बहुत धीमी है उसके लिए किसी हद तक पुलिस भी जिम्मेदार है। पुलिस भी अपनी रिपोर्ट देने में विलम्ब करती है। उसके कई कारण होते हैं जो आम आदमी को दिखाई नहीं देते। अब चूंकि देश के दो सर्वोच्च पदों द्वारा न्याय प्रक्रिया पर चिंता जाहिर की गई है तो निश्चित ही हमें न्याय प्रक्रिया में सुधार देखने को मिलना चाहिए।

shivdayalmishra@gmail.com

17 दिसम्बर को गहलोत सरकार के 4 साल पूरे, होंगे कार्यक्रम

सरकार के जश्न में शामिल होंगे राहुल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की गहलोत सरकार अपनी चौथी वर्षगांठ पर जश्न मनाएगी। 16 दिसम्बर से 28 दिसम्बर तक जयपुर समेत प्रदेशभर में कार्यक्रम होंगे। 17 दिसम्बर को गहलोत सरकार के 4 साल पूरे होंगे। पूर्व संध्या पर 16 दिसम्बर की शाम जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर कल्चरल प्रोग्राम होंगे। रंगारंग कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायिका सुनिधि चौहान लाइव म्युजिक परफॉर्मेंस देंगी। खास बात यह है कि भारत जोड़ो यात्रा से निकलकर राहुल गांधी इस कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के रूप में शामिल होंगे। सीएम अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा समेत गहलोत मंत्रिपरिषद सदस्य और पीसीसी पदाधिकारी प्रोग्राम में मौजूद रहेंगे।

17 दिसम्बर को भारत जोड़ो यात्रा नहीं निकाली जाएगी। राहुल गांधी का दौसा जिले में प्रेस कांफ्रेंस करने का कार्यक्रम बना है। सीएम अशोक गहलोत भी 17 दिसम्बर को प्रेस कांफ्रेंस करेंगे और सरकार के 4 साल का लेखा-जोखा जनता के सामने रखेंगे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी और सरकार की ओर से भी प्रेस वार्ता की जाएंगी। 17 से 28 दिसंबर तक राजस्थान के सभी जिलों में प्रोग्राम होंगे। जिसमें कांग्रेस सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं और 4 साल की उपलब्धियों को जनता के बीच लेकर मंत्री-विधायक जाएंगे। विकास के कामों को गांव-ढाणी तक पहुंचाया जाएगा।

फाईल

23 को कोच्चि में IPL का मिनी ऑक्शन

405 खिलाड़ियों की लगेगी बोली, 87 स्लॉट खाली, 19 प्लेयर्स का बेस प्राइज 2 करोड़

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोच्चि। केरल के कोच्चि में 23 दिसंबर को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का मिनी ऑक्शन होगा। इसमें 405 खिलाडियों पर बोली लगेगी। 991 खिलाड़ियों ने ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। जिसमें से 405 प्लेयर्स को शॉर्ट लिस्ट किया गया है। ऑक्शन दोपहर 2%30 बजे शुरू होगा। पिछली बार मेगा ऑक्शन हुआ था, इसीलिए इस बार मिनी ऑक्शन होगा। 405 में से 132 विदेशी, 273 घरेलू और 4 एसोशिएट देशों के खिलाड़ी होंगे। पिछली बार मेगा ऑक्शन में टीमों के पास 90 करोड़ रुपए का पर्स था। इस बार उन्हें प्लेयर्स पर खर्च करने के लिए 95 करोड़ रुपए मिलेंगे। हालांकि, टीमों के पास जितने खिलाड़ी अभी मौजूद हैं उनकी रकम इस पर्स में से कम हो जाएगी।

10 टीमों में 117 स्लॉट खाली

IPL ऑक्शन में इस साल 10 टीमों के बीच 117 स्लॉट मौजूद हैं। यानी 405 खिलाड़ियों में से ज्यादा से ज्यादा 117 खिलाड़ी ही चुने जाएंगे। हैदराबाद टीम के पास सबसे ज्यादा 17 स्लॉट हैं। वहीं, दिल्ली के पास सबसे कम 7 खिलाड़ियों की जगह है।

अरुणाचल में भारतीय सेना ने चीनी सैनिकों की हड्डियां तोड़ीं

PLA के 600 जवान गलवान जैसा हमला करने आए, सेना ने लाठी-डंडों से खदेड़ा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तवांग। अरुणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच खूनी झड़प हुई है। इसमें भारत के 6 जवान घायल हुए हैं, जबकि चीन के सैनिकों को हमसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। उनके कई सैनिकों की हड्डियां टूटी हैं। घायल भारतीय जवानों को गुवाहाटी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

9 दिसंबर को 600 चीनी सैनिक तवांग के यंगस्टे में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर भारतीय पोस्ट को हटाने के लिए घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। वे कंटीले लाठी डंडे और इलेक्ट्रिक बैटन से लैस थे। भारतीय सेना भी इस बार पूरी तरह तैयार बैठी थी। हमारी सेना ने भी कंटीले लाठी-डंडों से उनको जवाब दिया। इसमें दर्जनों चीनी सैनिकों की हड्डियां टूटी हैं। भारत के जवाबी हमले के बाद फ्लैग मीटिंग हुई और मसला शांत हुआ। विवाद वाली जगह से फिलहाल दोनों देशों की सेनाएं हट गई हैं। इससे पहले 1975 में तवांग में विवाद हुआ था, तब भारत के 4 सैनिक शहीद हुए थे। इस क्षेत्र में दोनों सेनाएं कुछ हिस्सों पर अपना-अपना दावा ठोकती आई हैं। 2006 से यह विवाद जारी है। इससे पहले 15 जून 2020 को लद्दाख के गलवान घाटी में दोनों सेनाओं के बीच झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, जबकि चीन के 38 सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी ने 4 सैनिक मारे जाने की बात ही कबूली थी।

जागरूक खबरें

■ सात दिवसीय एस. यू. पी. डब्ल्यू. कैम्प का शुभारंभ

जयपुर @ जागरूक जनता। अनुराधा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में सोमवार से एस. यू. पी. डब्ल्यू. कैम्प का प्रारंभ साफ-सफाई व पौधारोपण कार्यक्रम द्वारा किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती पूजा एवं वंदना से हुआ। पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज़ की प्राचार्या डॉ. मीरा नागपाल द्वारा पौधा रोपण करके की गई। समस्त सदनों ने साफ-सफाई व पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में 'स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत' एवं 'हरियाली लाओ देश बचाओ' के प्रति भावी पीढ़ी में जागरूकता पैदा करना है। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज़ निदेशक प्रदीप गिरी ने समस्त छात्राध्यापिकाओं को हार्दिक बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

■ जयपुर की भूमिका का राजस्थान रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन करेगा स्वागत

जयपुर @ जागरूक जनता। खेल की दुनिया में बढती बेटियों की लोकप्रियता ने महिला सशक्तिकरण में चार चांद लगाने का काम किया है। इसी कड़ी में जयपुर की भूमिका शुल्का ने भारत के लिए खेलते हुए रजत पदक हासिल करने का काम किया है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को जयपुर एयरपोर्ट से विश्वकर्मा तक वाहन रैली निकालते हुए खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया जाएगा। राजस्थान रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन सचिव कुलदीप सिंह ने बताया कि राजस्थान रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन की ओर से यह स्वागत किया जाएगा। जहां एसोसिएशन के चेयरमैन पंडित सुरेश मिश्रा भी मौजूद रहेंगे। राजस्थान रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के 3 बालक व 1 बालिका ने एशिया रग्बी प्रतियोगिता में भाग लिया था। जहां भूमिका शुक्ला ने भारत के लिए रजत पदक हासिल कर कीर्तिमान रच दिया।

■ जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल छह जनवरी से होगा शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। जिफ ट्रस्ट की ओर जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज छह जनवरी से होगा। इस बार जिफ अपने 15वें संस्करण की तरफ आगे बढ़ रहा है। इस बार यह कई मायनों में खास होने वाला है। हालही में जिफ ने अपने टॉर्च कैम्पेन के जरिए भारत के कई शहरों में इंडियन पैनोरमा की 12 फुललैंथ फिल्मों को प्रमोट किया और उन्हें लॉन्च किया। जिफ के फाउंडर हनुरोज ने बताया कि फेस्ट में इस बार बॉलीवुड के नामी निर्देशकों की कई फेमस फिल्मी सितारों को लेकर अलग अलग विषयों पर बनाई गई छह वेब सीरीज की स्क्रीनिंग खास होने वाली है। फेस्ट का लॉन्चिंग इवेंट सात जनवरी को जीटी सेंट्रल आइनॉक्स में आयोजित किया जाएगा। फेस्टिवल का ऑफिशियल प्रोग्राम 21 दिसम्बर को जारी किया जाएगा।

■ हैरिटेज निगम की ओर से हास्य कवि सम्मेलन आज

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में नगर निगम जयपुर हैरिटैज की ओर से गुलाबी नगर जयपुर की स्थापना के तहत आयोजित समारोहों की श्रंखला में 14 दिसंबर को कवि सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। हैरिटेज निगम की महापौर मुनैश गुर्जर ने बताया कि आईसीआईसीआई बैंक के प्रायोजन में आयोजित किये जा रहे इस कवि सम्मेलन में हास्य, वीर रस एवं काव्यात्मक गीत से देश विदेश में अपनी पहचान बना चुके कवि अपनी कविताओं से गुलाबी नगरवासियों का भरपूर हंसने-हंसाने का मौका देगें व जीवन में हास-परिहास का महत्व भी रेखांकित करेगें।

सूर्य देव धनु राशि में प्रवेश के साथ धनुर्मास खरमास (मळमास) शुरू

16 दिसम्बर से 14 जनवरी तक बंद रहेंगे मांगलिक कार्य

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सूर्य देव धनु राशि में 16 तारीख को प्रवेश के साथ धनुर्मास शुरू हो जाएगा। ज्योतिष ग्रंथों के मुताबिक इस दौरान मांगलिक काम नहीं किए जा सकते हैं। धार्मिक और ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार खरमास (मळमास) को शुभ नहीं माना जाता है। इसलिए इस माह के दौरान कोई भी शुभ, मांगलिक कार्य करना वर्जित माना जाता है। इसके बाद शादी के लिए मुहूर्त अगले साल जनवरी में मिलेगा। दिसंबर में 16 तारीख से खरमास शुरू हो रहा है, जो नए साल में 14 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन समाप्त हो जाएगा। सूर्य देव धनु राशि में 16 तारीख को प्रवेश के साथ धनुर्मास शुरू हो जाएगा। ज्योतिष ग्रंथों के मुताबिक इस दौरान मांगलिक काम नहीं किए जा सकते हैं। धार्मिक और ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार खरमास (मळमास) को शुभ नहीं माना जाता है। इसलिए इस माह के दौरान कोई भी शुभ, मांगलिक कार्य करना वर्जित माना जाता है। इसके बाद शादी के लिए मुहूर्त अगले साल जनवरी में मिलेगा। दिसंबर में 16 तारीख से खरमास शुरू हो रहा है, जो नए साल में 14 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन समाप्त हो जाएगा।

अगले साल कुल 23 मुहूर्त

अगले साल 2023 में होली से पहले शादी के लिए कुल 23 मुहूर्त ही रहेंगे। इनमें जनवरी में 9 और फरवरी में 14 दिन वैवाहिक आयोजन होंगे। ज्योतिषियों के अनुसार 16 दिसंबर से 14 जनवरी तक खरमास के दौरान शादी-विवाह आदि कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। ऐसे में 15 जनवरी से शादी-विवाह आदि सभी मांगलिक कार्य और शुभ कार्य फिर से शुरू हो जाएंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूरे एक वर्ष में दो बार ऐसा मौका आता है। जब खरमास लगता है। एक खरमास मध्य मार्च से मध्य अप्रैल के बीच और दूसरा खरमास मध्य दिसंबर से मध्य जनवरी तक होता है।

28 फरवरी 2023 से पुन: ब्रेक

ज्योतिष अनीष व्यास ने बताया कि 28 फरवरी 2023 से फिर वैवाहिक आयोजनों पर ब्रेक लग जाएगा। होली से पहले के आठ दिन होलाष्टक के कारण मांगलिक कामों के लिए शुभ नहीं होते। इसके बाद 15 मार्च से मीन मास रहेगा। इस दौरान भी मांगलिक कार्य नहीं किए जाते है। इसलिए 4 मई 2023 से शादियों का सीजन शुरू होकर 27 जून तक रहेगा।

वर्ष 2023 में विवाह के मुहूर्त

जनवरी: 15, 16, 18, 19, 25, 26, 27, 30 और 31
फरवरी : 6, 7, 8, 9, 10, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 22, 23 और 28.

कंपनी और डीलर्स उपभोक्ताओं को नहीं कर रहे जागरूक

फाइबर सिलेण्डरों से कम होंगे हादसे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। रसोई गैस सिलेण्डर लीकेज से होने वाली हादसों को रोकने के लिए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लि. ने फाइबर के सिलेण्डर बाजार में उतारे। इन सिलेण्डर की खासियत ये है कि ये लीकेज के बाद आग लगने पर भी फटते नहीं, बल्कि पिघल जाते है। यही नहीं ये सिलेण्डर लोहे के सिलेण्डर की तुलना में 60 फीसदी हल्के होते है। लेकिन लोगों को इन सिलेण्डरों की जानकारी नहीं होने और कंपनी, डीलर्स की तरफ से प्रचार-प्रसार नहीं करने के कारण लोग इसका उपयोग ही नहीं कर रहे।

वर्तमान में फाइबर के सिलेण्डर केवल IOCL कंपनी ही उपलब्ध करवा रही है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम इन सिलेण्डरों को अभी अपने ग्राहकों को उपलब्ध नहीं करवा रही है। करीब एक साल पहले IOCL ने राजस्थान में फाइबर सिलेण्डर मार्केट में उतारे, लेकिन तब से अब तक एक फीसदी ग्राहकों के घरों में भी ये सिलेण्डर नहीं पहुंच सके। आपको बता दें कि साल 2018 में अजमेर के ब्यावर में रसोई गैस सिलेण्डर फटने से 19 लोगों की, जबकि कुछ दिन पहले

जोधपुर के शेरगढ़ में सिलेण्डर फटने से अब तक 22 लोगों की दर्दनाकर मौत हो चुकी है।

74.29 लाख उपभोक्ता है IOCL के

राजस्थान में तीनों तेल कंपनियों के पौने दो करोड़ के लगभग ग्राहक है, जिनमें से अकेले IOCL के 74.29 लाख ग्राहक है। इन ग्राहकों में से अब तक केवल 7550 ने ही अपने पुराने सिलेण्डर को रिप्लेस करवाकर नए फाइबर के सिलेण्डर उपयोग करने शुरू किए है। ये संख्या IOCL के कुल ग्राहकों की संख्या का एक फीसदी भी नहीं है।

एसएमएस अस्पताल में मरीजों को मिलेगी राहत

मरीजों का दर्द होगा कम, कार्डियो, न्यूरो, मेडिसिन और आर्थो की दो ओपीडी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एसएमएस अस्पताल में अधिक मरीज वाले विभागों में अब मरीजो को लंबी-लंबी कतारों में नहीं लगना होगा। अस्पताल प्रशासन ने उन विभागों की ओडीपी दो स्थानों पर चलाने का फैसला किया है, जहां अधिक मरीज आते हैं। इनमें मेडिसिन, कार्डियो, आर्थो और न्यूरो विभाग में सबसे अधिक मरीज आते हैं। ऐसे में इन दोनों विभागों को दो स्थानों पर चलाया जाएगा। इन्हीं विभागों के ओपीडी कक्ष में ब्लड सैंपल लेने की भी सुविधा भी मिलेगी। मरीज इन ओपीडी के पास ही डीसीसी काउंटर से दवा भी ले सकेंगे। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा के नेतृत्व में तीन महीने से चले मंथन के बाद यह फैसला लिया गया है। नई

व्यवस्था के तहत चारों विभाग की दो जगह ओपीडी लगेंगी। नए साल में यह शुरुआत की जाएगी। एसएमएस में तमाम कोशिश के बाद भी भीड़ कंट्रोल नहीं हो सकी तो यह रास्ता निकाला गया है। मेडिसिन, कॉर्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक और न्यूरोलॉजी ओपीडी को लेकर पहले शुरुआत की गई है। मेडिसिन की दो यूनिट्स को दो अलग-अलग ओपीडी, ऑर्थोपेडिक और हैंड सर्जरी के लिए अलग अलग ओपीडी होंगी। सीटी सर्जरी और कार्डियोलॉजी को भी अलग किया गया है, वहीं न्यूरोलॉजी ओपीडी को भी अलग किया जाएगा। निशुल्क दवा व जांच योजना के बाद ओपीडी 10 हजार से कम नहीं हो रही है। ऐसे में ओपीडी और जांचों के लिए कतारें लग रही हैं। दो-दो जगहों पर ओपीडी चलाए जाने के साथ ही सैम्पल कलेक्शन सेंटर भी तैयार कराए जा रहे हैं। ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर भी बनेंगे ताकि परामर्श के बाद मरीज को सैम्पल के लिए कतारों में इंतजार ना करने पड़े और दवाएं भी जल्द मिल जाएं।

क्राउड मैनेजमेंट के तहत चार विभागों की ओपीडी दो जगह की गई है। मरीजों को कतार से निजात मिलेगी और जांच जल्द होगी। शुरुआती दौर में यह सफल होने के बाद अन्य व्यवस्थाओं को भी लागू किया जाएगा। **-डॉ.अचल शर्मा,** अधीक्षक, एसएमएस अस्पताल।

राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की कार्यकारिणी समिति की सभा

डॉ. केएल जैन निर्विरोध अध्यक्ष, अग्रवाल मानद सचिव नियुक्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की हुई कार्यकारिणी समिति की सभा में डॉ. के. एल. जैन को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। डॉ. के. एल जैन पिछले 54 वर्षों से राजस्थान चैम्बर के मानद महासचिव के पद पर सेवाएं दे रहे थे। डॉ. जैन राजस्थान में व्यापार, उद्योग एवं वाणिज्य जगत का एक जाना माना नाम है तथा केन्द्र एवं राज्य सरकारी की विभिन्न कमेटियों में प्रतिनिधित्व कर उद्योग एवं वाणिज्य की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाकर उनके समाधान का प्रयास करते आ रहे हैं। अध्यक्ष के अतिरिक्त कार्यकारिणी में 4 मानद महासचिवों का भी निर्वाचन किया गया। राजेन्द्र प्रसाद बटवाड़ा, आनन्द महरवाल, डॉ. अरुण अग्रवाल (प्रवक्ता), नरेन्द्र कुमार जैन, जगदीश सोमानी सर्वसम्मति से मानद सचिव चुने गए। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्यों ने डॉ. जैन एवं मानद महासचिवों का माला 'पहनाकर स्वागत किया।

1080 तीर्थ यात्रियों को लेकर रवाना हुई ट्रेन

2 दिन तिरूपति बालाजी दर्शन के बाद 18 दिसंबर को वापस आएंगे यात्री

जयपुर @ जागरूक जनता। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत 7वीं ट्रेन दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से तिरूपति के लिए रवाना हुई। इस ट्रेन में 1080 तीर्थ यात्रियों को तिरूपति दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है। आज दोपहर रवाना हुई इस ट्रेन में जयपुर से 745 यात्रियों का जत्था रवाना हुआ।देवस्थान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ये ट्रेन 15 दिसम्बर को सुबह 4 बजे तिरुपति पहुंचेंगी और वहां तिरुपति बालाजी के दर्शन करने के बाद यात्रियों को 17 दिसंबर को वापस जयपुर भेजा जाएगा। सभी यात्री 18 दिसम्बर को वापस जयपुर लौट आएंगे। उन्होंने बताया कि जयपुर, दौसा जिले के 165 यात्री और झुंझुनूं, सीकर व अलवर जिले के 175 यात्री रवाना हुए। जयपुर से ही जोधपुर संभाग, अजमेर संभाग, बीकानेर संभाग के साथ हनुमानगढ़ और श्री गंगानगर के यात्री रवाना हुए।

ANCHOR 56 भोग उत्सव-2022

रसीले व्यंजनों ने लोगों को लुभाया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा राजस्थान हाट में आयोजित चार दिवसीय '56 भाग उत्सव-2022' का आज धूमधाम से समापन हुआ। आयुक्त महेंद्र पारख ने बताया कि उत्सव में लगभग 25 से 30 हजार फुटफाल रहा। उन्होंने बताया कि 10 दिसम्बर को व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा कॉलेज विद्यार्थियों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किए गए। इस दौरान डीएनएस स्कूल, आर्च डिजाइन संस्थान तथा पोद्धार कॉलेज के विद्यार्थियों के ग्रुप्स भी प्रर्दशनी देखने आए।

पारख ने बताया कि उत्सव में 11 दिसंबर रविवार को कालबेलिया नृत्य तथा कटपुतली शो रखे गए, जिसका दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया गया। उन्होंने बताया कि व्यंजन निर्माताओं द्वारा लगभग 30 लाख रुपए की बिक्री की गई। मसाले एवं अन्य खाद्य पदार्थों की एमएसएमई इकाईयों को आयोजन के दौरान उत्पादों की मार्केटिंग करने का अवसर मिला। आयुक्त ने बताया कि आगंतुकों द्वारा इस प्रकार का आयोजन नियमित अन्तराल पर करते रहने की फीडबैक दी गई। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में भागीदारी के कारण कुछ व्यंजन निर्माताओं यथा दौसा के डोवठे आदि को 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' योजना के तहत रेल्वे स्टेशन पर उत्पाद प्रदर्शन का अवसर मिला है। उन्होंने इस दौरान उत्सव में भाग लेने एवं कार्य में लगे कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र दिए गए।

युवाओं ने उत्सव को सराहा

शहर के खानपान के शौकीन युवाओं ने जयपुर के हाट बाजार में लगी जायकेदार स्टालों का न केवल रसास्वादन किया, बल्कि सरकार द्वारा की गई पहल को भी सराहा। ब्रह्मपुरी से अपने ग्रुप के साथ आई पारुल राज का कहना है कि इस तरह के आयोजन से न केवल प्रदेश भर के मशहूर व्यंजन एक ही जगह मिल सके, वहीं दूसरे जिलों के मशहूर पकवानों के बारे में भी जानकारियां मिली। वहीं एक और ग्रुप के साथ आए युवा अक्षित का मानना है कि ऐसे आयोजन शहर के हर हिस्से में निरंतर हों।

श्याम किचन मसाला स्टॉल आकर्षण का केन्द्र

'56 भोग 2022' फूड फेस्टिवल में श्याम किचन मसाला स्टॉल आकर्षण का केन्द्र रही। श्याम धणी इंडस्ट्रीज के निदेशक राम अवतार अग्रवाल ने बताया कि '56 भोग 2022' फूड फेस्टिवल में श्याम मसाला की ओर से भी काउंटर लगाया गया। यहां उच्च क्वालिटी के मसाले उपलबध रहे। अग्रवाल ने बताया कि कम्पनी वर्तमान में चिली पाउडर, कुटी मिर्च, हल्दी एवं धनिया पाउडर, गर्म मसाला, चना व चाट मसाला, सांभर एवं पावभाजी मसाला, पानी पूरी व सब्जी मसाला, जलजीरा पाउडर, चाय मसाला, दही बड़ा रायता मसाला, अचार मसाला, कसूरी मेथी, जीरा पाउडर, पोदीना पाउडर, सौंफ व अनारदाना पाउडर, कश्मीरी मिर्च पाउडर, कालीमिर्च पाउडर, सफेद मिर्च पाउडर, देगी मिर्च पाउडर, लहसुन, अमचूर एवं सौंठ पाउडर, साबुत गर्म मसाला और हींग दाना के अलावा नूडल्स, पास्ता, मैक्रोनी आदि के विभिन्न उत्पाद भी यहां उपलब्ध थे। कंपनी श्री नाथजी ब्रांड नाम से भी मसालों की मार्केटिंग भी कर रही है। वर्तमान समय में कंपनी 350 प्रोडक्ट का उत्पादन कर रही है। देश के 11 राज्यों में श्याम मसाला का नेटवर्क फैल रहा है एवं 25 अन्य देशों में भी श्याम मसाले का निर्यात किया जा रहा है। फेस्टिवल के दौरान श्याम मसाला स्टॉल पर खरीददारों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई।

कबीरा ने लोगों को किया आकर्षित

मसाला फेस्टिवल में कबीरा ब्रांड खाद्य तेल की स्टॉल भी लोगों को आकर्षित रही। स्टॉल पर ब्रांड के सभी उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था। कम्पनी के मनोज मुरारका का कहना है कि कम्पनी का मुख्य ध्येय लोगों को शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक सरसों तेल उपलब्ध करवाना है। आज कम्पनी देश में खाद्य तेलों में अग्रणी कम्पनी है।

इन व्यंजनों ने लुभाया

नसीराबाद के कचोड़े, पुष्कर के मालपुए, गंगापुर के खीरमोहन, दौसा के डोवठे, कोटा की कोटा कचोरी, भुसावर का अचार, चिड़ावा का पेड़ा, अलवर का कलाकंद, पाली का गुलाब हलवा, बीकानेर की भुजिया, जोधपुर के मिर्च बड़े, प्रतापगढ़ का आम पापड़ जैसी विशेष डिशेज का जायका आमजन को एक ही परिसर में उपलब्ध रहा। इसके अलावा मुंबई का वड़ा पाव, आगरा के पेठे, गुजरात का खमन ढोकला सहित अन्य राज्यों के खास पकवानों ने भी उत्सव में आमजन को लुभाया।

सारिका कुमट-रसोई क्वीन तो सृष्टि बनी मिष्ठान क्वीन

उत्सव को दिलचस्प बनाने के लिए शनिवार को हुई व्यंजन प्रतियोगिता में राजस्थानी पारंपरिक थाली (शुद्ध शाकाहारी) में प्रथम पुरस्कार बतौर सारिका कुमट को रसोई क्वीन के खिताब से नवाजा गया, वही डेजर्ट एंड स्वीट (शुद्ध शाकाहारी) श्रेणी में सृष्टि को मिष्ठान क्वीन व नव्या फूड को प्रोफेशनल क्वीन पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के जज के रूप में समीर गुप्ता एवं वर्तिका जैन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त निदेशक पीएन शर्मा द्वारा की गई।

जागरूक जनता jagrukjanta.net फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

राहुल गांधी को पसंद आई राजस्थान की योजनाएं
देखें पेज @ 5

यूनिसेफ के सहयोग से प्रदेश में हुआ अभूतपूर्व काम -मुख्य सचिव

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि प्रदेश में यूनिसेफ के सहयोग से संचालित विभिन्न योजनाओं में अभूतपूर्व काम और प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में भी यूनिसेफ के सहयोग से विभिन्न विभागों द्वारा संचालित इन योजनाओं में बेहतरीन कार्य किया जाएगा। मुख्य सचिव यहां शासन सचिवालय में राजस्थान सरकार एवं यूनिसेफ के पार्टनरशिप प्रोग्राम की वार्षिक समीक्षा- 2022 के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। बैठक में यूनिसेफ के सहयोग से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित कार्यक्रम, पोषण, वॉश, शिक्षा संबंधी, बाल संरक्षण, सामाजिक नीति व बाल अधिकार कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2018- 22 तक की प्रगति तथा आगामी वर्षों के लक्ष्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। शर्मा ने कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से प्रदेश में टीकाकरण अभियान में बाड़मेर जिले ने 92% लक्ष्य की प्राप्ति की है।यूनिसेफ द्वारा सिरोही, डूंगरपुर, उदयपुर और बाड़मेर जिलों में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों के माध्यम से पूर्व प्राथमिक शिक्षा में विशेष कार्य किए गए।

12 दिन तक अपनी योजनाओं और कामों के प्रचार से माहौल बनाएगी सरकार

सरकार के 4 साल का जश्न 17 से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बीच सरकार के चार साल पूरे हो रहे हैं। राज्य सरकार अपने चार साल के कार्यकाल का 17 दिसंबर से जश्न मनाएगी। 17 से 28 दिसंबर तक हर जिले में कई कार्यक्रम होंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए सरकार गांव-शहरों में अपने काम का माहौल बनाएगी। सरकार ने तय किया है कि अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के साथ-साथ सभी विभागों में चार साल में हुए कामों को हर गांव तक लोगों के बीच पहुंचाएं।

सरकार का मकसद है कि इन आयोजनों से घर-घर में सरकार की योजनाओं को लेकर माहौल बने और आने वाले चुनाव में इसका फायदा उठाया जा सके। सोमवार को मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने सभी जिलों के कलेक्टरों और सभी विभागों के सचिवों को अलग-अलग आदेश जारी कर चार साल के कार्यक्रमों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। 17 को जयपुर में जवाहर कला केंद्र में विकास प्रदर्शनी की शुरुआत करके इन कार्यक्रमों का आगाज किया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 17 को प्रेस कांफ्रेस करेंगे जिसमें वे अपनी सरकार के चार साल का लेखा-जोखा रखेंगे। 17 से 28 दिसंबर के बीच सरकार प्रमुख 28 विभागों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएगी।श्रम एवं रोजगार विभाग, खान व पेट्रोलियम विभाग, यूडीएच, ग्रामीण विकास व पंचायतीराज, पर्यटन विभाग, सूचना व प्रौद्योगिकी, कृषि, पीएचईडी, शिक्षा, उद्योग, पीडब्लूडी, स्वायत्त शासन, सामाजिक न्याय व अधिकारिता, चिकित्सा, ऊर्जा, सहकारिकता, महिला व बाल विकास, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम हेरिटेज और ग्रेटर, आवासन मंडल, वन विभाग, खाद्य विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क, गृह विभाग, परिवहन, आयोजना विभाग और पशुपालन विभाग में हुए विकास कार्यों को शामिल किया जाएगा।

29 फ्लैगशिप योजनाओं पर रहेगा फोकस

सरकार अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के दम पर अगले चुनाव में उतरने के दावे करती रही है। चार साल के कार्यकाल में इन योजनाओं में हुए काम और इनके जरिए लोगों को पहुंचाए फायदों के आंकड़े भी सरकार लोगों तक पहुंचाने के प्रयास में है। सरकार ने चार साल के कार्यकाल के कार्यर मों में जिन योजनाओं का प्रचार करेंगी इनमें 29 योजनाएं शामिल की गई हैं।

11,283 ग्राम पंचायतों में लाभार्थी संवाद कार्यक्रम

प्रदेश की 11 हजार 283 ग्राम पंचायतों में 22 से 28 दिसंबर तक ग्राम सभाएं होंगी। इनमें जिला स्तरीय और ब्लॉक स्तर के अधिकारी गांव के लोगों को सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों की जानकारी देंगे। इस दौरान लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम होंगे। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से सरकार की योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री भी लोगों को वितरित की जाएगी।

19 से 26 दिसंबर तक स्कूल-कॉलेजों में क्विज, वाद-विवाद कंपीटिशन

प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में मॉडल स्टेट राजस्थान और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर क्विज और वाद विवाद प्रतियोगिता कराई जाएंगी। बच्चों के आयु और क्लास के अलग-अलग वर्ग बनाकर इन दोनों विषयों पर निबंध प्रतियोगिताएं भी होंगी। इनमें शामिल होने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

22 से 24 दिसंबर तक जिला मुख्यालयों पर विकास प्रदर्शनी, प्रभारी मंत्री करेंगे प्रेस कांफ्रेंस

सभी जिला मुख्यालयों पर जिला प्रभारी मंत्री विकास प्रदर्शनी की शुरुआत करेंगे। इस प्रदर्शनी में सभी प्रमुख विभागों की ओर से जिले में कराए गए विकास कार्यों को दिखाया जाएगा। साथ ही इन विकास कार्यों के जरिए लोगों को मिले फायदे के आकंड़े प्रदर्शित किए जाएंगे। लगातार तीन दिन तक सभी जिला मुख्यालयों पर संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री प्रेस कांफ्रेस करके सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताएंगे।

गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ

प्रदेश की महिलाओं के लिए फ्री मोबाइल योजना की लॉन्चिंग करेंगे राहुल !

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक माने जाने वाले फ्री स्माटफोन योजना को लेकर अब महिलाओं का इंतजार खत्म होने वाला है, जल्द ही इसी माह प्रदेश की महिलाओं के हाथों में सरकार के मुफ्त स्मार्टफोन होंगे। इसकी शुरुआत भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान होने जा रही है।

17 दिसंबर को गहलोत सरकार के 4 साल पूरे हो रहे हैं इस दौरान जहां सरकार की 4 साल की उपलब्धियों और योजनाओं को लेकर प्रदेशभर में अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी तो महिलाओं को फ्री स्मार्टफोन देने की योजना का भी शुभारंभ होगा। फ्री स्मार्ट फोन योजना का शुभारंभ खुद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी करेंगे, इसे लेकर भी सरकार में तैयारियां चल रही हैं। सूत्रों की माने तो गहलोत सरकार फ्री स्मार्ट फोन योजना का शुभारंभ भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से कराएगी।

18 दिसंबर को दौसा के सिकंदरा में राहुल गांधी फ्री स्मार्टफोन योजना को लांच करेंगे और अपने हाथों से लोगों को स्मार्टफोन वितरित करेंगे।

लॉन्चिंग के बाद पंचायत स्तर तक लगेंगे कैंप

बताया जाता है कि योजना की लॉन्चिंग के बाद फ्री स्मार्ट वितरित करने के लिए शहरों में अलग-अलग क्योस्क लगाए जाएंगे तो वहीं ग्रामीण इलाकों में हर पंचायत स्तर तक कैंप लगेंगे, ये फोन उन ही महिलाओं को मिलेगा जिनका चिंरजीवी योजना में रजिस्ट्रेशन है।

मेट्रो मास अस्पताल

शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, फोन: 0141-6661234 आपातकालीन नं.- 9649784888

सार्वजनिक नोटिस

यह सार्वजनिक सूचना के लिए है कि 09.11.2012 से 21.12.2017 तक इनडोर रोगियों के रिकॉर्ड (बाल चिकित्सा/एम.एल.सी. एवं मृत्यु को छोड़कर) को मानदंडों के अनुसार नष्ट कर दिया जायेगा। कोई रोगी, रोगी के रिश्तेदार या कोई अन्य व्यक्ति जो भविष्य के संदर्भ के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित करना चाहते हैं, उनसे अनुरोध है कि वे मेडिकल रिकॉर्ड विभाग से संपर्क करें या अस्पताल के मेल पर mrd-mas@metrohospitals.com करें। प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के अन्दर संपर्क करें। 13 जनवरी, 2023 के बाद प्रशासन की उक्त रिकॉर्ड को लेकर कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

आदेशानुसार
अस्पताल प्रबंधक

पूनियां पैदल तय करेंगे 25 किमी का सफर, सरकार की वादाखिलाफी पर करेंगे संवाद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की गहलोत सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में भाजपा जनाक्रोश यात्रा निकाल रही है। प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीटों पर यह यात्रा निकाली जा रही है और जनता से शिकायतें ली जा रही है। अब इसी यात्रा को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने नया रूप दे दिया है। करौली में पूनियां बुधवार को जनाक्रोश यात्रा के तहत 25 किमी का पैदल सफर करेंगे। सुबह 8:00 बजे कैला देवी मंदिर में दर्शन एवं पूजा अर्चना कर मदनमोहन तक पदयात्रा के माध्यम से आमजन और कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान सतीश पूनियां जन आक्रोश यात्रा में आमजन से जनसंपर्क और संवाद कर कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पत्रक भी वितरित करेंगे। कैला देवी मंदिर में दर्शन कर जनाक्रोश यात्रा का शुभारंभ करेंगे। पूनियां पैदल चलकर पेट्रोल पंप कैलादेवी, खोहरी मोड़, मोहनपुरा मोड, अतेवा मोनी बाबा आश्रम, राजौर, करसाई, मामचारी, कल्याणी, गंगापुर मोड़, गदका की चौकी, तीनबड़ सहित विभिन्न गांव में पैदल चलते हुए शाम को लगभग 5:15 बजे मदन मोहन जी मंदिर में दर्शन करेंगे।

गहलोत सरकार के खिलाफ 14 लाख शिकायतें मिलीं-शेखावत

15 से 31 दिसंबर तक विधानसभा लेवल पर होंगी बड़ी जनाक्रोश सभाएं

जयपुर @ जागरूक जनता। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा-प्रदेश की गहलोत सरकार के खिलाफ जन आक्रोश यात्रा में बीजेपी को 14 लाख शिकायतें मिल चुकी हैं। इनमें 11 लाख से ज्यादा हाथ से लिखी हुई हैं। 3 लाख ऑनलाइन वेबसाइट पर मिली हैं। पार्टी ने फैसला लिया है कि 15 से 31 दिसंबर तक राजस्थान में विधानसभा लेवल पर बड़ी जनाक्रोश सभाएं होंगी। जिसमें राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के नेता रात में दौरे (प्रवास) करेंगे। हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 कार्यकर्ता जाएंगे। प्रदेश में 2000 कार्यकर्ता दौरे करेंगे। जनता के बीच कांग्रेस सरकार की नाकामियां और केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियां बताएंगे।

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा स्थगित

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा को स्थगित कर दिया है। पूर्व में यह परीक्षा 4-5 फरवरी को प्रस्तावित थी, अब यह फरवरी के अंतिम सप्ताह या फिर अप्रेल-मई में होने की संभावना है। तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती की अभ्यर्थना इस सप्ताह आने के बाद भर्ती की तिथियां घोषित की जाएंगी। वहीं, बोर्ड ने सीईटी 12वीं स्तर व सीएचओ भर्ती परीक्षा की संशोधित तिथियां जारी कर दी हैं। 4, 5, 11 फरवरी को सीईटी सीनियर सेकंडरी लेवल की भर्ती परीक्षा होगी। पहले सीईटी सीनियर सेकंडरी लेवल की परीक्षा 18, 19, 25, 26 फरवरी को होनी थी। इसी के साथ सीएचओ भर्ती परीक्षा 19 फरवरी को होगी।

नगरीय विकास मंत्री की पहल पर विकास कार्यों के लिये...

आवासन आयुक्त ने महापौर को भेंट किया 23 करोड़ का चैक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल ने विकास कार्यों के लिये नगर निगम ग्रेटर को एक साथ 23 करोड 23 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई है। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने यहाँ मण्डल मुख्यालय पर नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर और निगम आयुक्त महेन्द्र सोनी को इस राशि का चैक प्रदान किया। आवासन आयुक्त ने बताया कि नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शान्ति कुमार धारीवाल की पहल पर आवासन मण्डल द्वारा नगर निगम को इतनी बडी राशि का भुगतान विगत 15 वर्षों में पहली बार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आवासन मण्डल द्वारा विक्रय की गई सम्पत्तियों से प्राप्त होने वाली राशि का 15 प्रतिशत हिस्सा नगर निगम को दिये जाने का प्रावधान है। वहीं आवासन मण्डल नगर निगम क्षेत्र में नियमित रूप से विकास कार्य करवाता है। गत वर्ष नगर निगम के साथ हुई संयुक्त बैठक में वर्ष 2010-11 से 2019-20 के दौरान विक्रय की गई सम्पत्तियों के एवज में निगम को देय हिस्सा राशि एवं नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों पर मण्डल द्वारा व्यय की गई राशि का समायोजन किया गया था। समायोजन के बाद मण्डल की निगम पर 55.58 करोड रुपये की राशि बकाया है। अरोड़ा ने बताया कि निगम पर बकाया के बावजूद मण्डल ने उदारता के साथ निगम को 11.11 करोड रुपये प्रतिवर्ष के हिसाब से 2020-21 एवं 2021-22 की 15 प्रतिशत हिस्सा राशि का समायोजन करने के बाद उसके क्षेत्र में विकास कार्यों के लिये 23 करोड 23 लाख 12 हजार रुपये उपलब्ध कराए हैं।

ANCHOR | गुजरात फार्मूला

राजस्थान भाजपा में बड़ा बदलाव होगा

कई नेताओं को घर बैठाने का संकेत, वरिष्ठ नेताओं की जगह नए चेहरे को मौका मिलेगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गुजरात में पहले टिकट वितरण में और अब मंत्रिमंडल में नए लोगों को तवज्जो देकर भाजपा ने राजस्थान के आने वाले चुनावों के लिए नया फॉर्मूला सेट कर दिया है। गुजरात चुनाव में बंपर जीत के बाद भूपेंद्र पटेल के नए मंत्रिमंडल में पुरानी रूपाणी सरकार से सिर्फ तीन मंत्रियों को रिपीट किया गया है। बाकी 6 फ्रेश चेहरे हैं और 7 ऐसे मंत्री बनाए हैं, जिन्हें 15 माह पहले ही पटेल मंत्रिमंडल में शपथ दिलाई थी। यानी बड़ी जीत के बावजूद इस बार भी नए नेताओं पर दाव खेला गया है। राजस्थान सहित 5 राज्यों में अगले साल चुनाव होने हैं। भाजपा चुनावी मोड में है।

राज्य में राज और रिवाज की स्थिति यह है कि यहां बीते चार चुनावों में एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस के सत्ता में आने की परंपरा रही है। भले ही भाजपा इसे अपने अनुकूल समझ रही है, लेकिन पार्टी नेताओं में चेहरे को लेकर लड़ाई अभी भी चरम पर है। केंद्रीय नेतृत्व स्पष्ट कर चुका है कि राजस्थान में कोई सीएम चेहरा नहीं होगा। पीएम मोदी ही चेहरा होंगे। इस बीच गुजरात फॉर्मूला प्रदेश के नेताओं की चिंता बढ़ा रहा है। इस फॉर्मूले से न केवल वे नेता घर बैठ सकते हैं, जो पिछले चुनावों में 10 हजार से ज्यादा वोटों से हार गए थे, कई ऐसे नेताओं का भी मौका छूट सकता है, जो मंत्रिमंडल के प्रमुख चेहरा माने जाते रहे हैं।

फॉर्मूले में बाधा: गुजरात से बदली परिस्थितियां हैं राजस्थान में

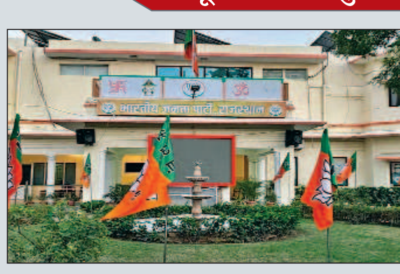

गुजरात के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही सबकुछ हैं। ऐसे में राजस्थान में पूरी तरह गुजरात फॉर्मूला लागू होगा, इसमें कई बाधाएं हैं। चूंकि भाजपा चौंकाने वाले फैसले करती रही है, ऐसे में कुछ भी संभव है, लेकिन यहां संघ बहुत मजबूत है और संघ का भाजपा के अंदरूनी मामलों में खासा दबाव रहता है। जानकारों का मानना है कि पार्टी संगठन पर संघ के फैसले हावी होने से पार्टी केंद्रीय नेतृत्व को इसकी अनदेखी करना बहुत मुश्किल होगा। चूंकि चुनावों में संघ से भाजपा को मैन पावर भी मिलती है, जो न केवल वोट डालती है, बल्कि वोट डलवाती भी है।

संघ, नेताओं के बीच बढ़ेगा टकराव

भाजपा की पन्ना प्रमुख से प्रदेशाध्यक्ष तक मजबूत कड़ी दिखती है, पर बड़े नेताओं का बिखराव साफ नजर आ रहा है। सीएम पद के कई दावेदार होने के कारण संगठन के कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति आमतौर पर नजर नहीं आती। संगठन पर संघ का आशीर्वाद है। टिकट वितरण में संघ की भूमिका अहम रहेगी। ऐसे में संघ और नेताओं के बीच टकराव लाजिमी है।

सरकार विरोधी स्थिति

गहलोत सरकार में इस बार पिछले 9 उपचुनावों में से भाजपा संगठन केवल एक चुनाव जिता सका है। ऐसे में विपक्ष को कमजोर माना जा रहा है। हालांकि सरकार के चार साल पूरा होने पर भाजपा जन आक्रोश यात्रा जरूर निकाल रही है, लेकिन अभी तक वह प्रदेश में सरकार विरोध में जनता के बीच और कार्यकर्ताओं के बीच कोई बड़ा मोमेंटम खड़ा नहीं कर पाई है।

10 हजार से हारने वाले नए घर बैठेंगे

गुजरात चुनाव के बाद अब यह भी बात सामने आ रही है कि प्रदेश के आने वाले चुनाव में न केवल 10 हजार वोटों से हारने वाले नए और 20 हजार से ज्यादा वोटों से हारने वाले पुराने नेता बाहर हो सकते हैं, बल्कि कई मौजूदा विधायक, पूर्व में मंत्री रहे नेता, अपनी खराब परफॉर्मेंस के आधार पर बाहर होंगे। इनमें कई दिग्गज हैं जो पिछली सरकारों में खासा वर्चस्व रखते रहे हैं।

युवा वोटरों पर निगाह

राजस्थान में वर्तमान में करीब 4.95 करोड़ वोटर हैं। इनमें करीब 54 प्रतिशत युवा वोटर हैं। यानी कुल 2.65 करोड़ वोटर युवा हैं, जिन पर भाजपा की निगाह है। गुजरात में भाजपा ने युवाओं को आगे किया है, ऐसे में राजस्थान में भी युवाओं के लिए उत्साह का विषय हो सकता है।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech

ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just
Rs.35,000/- + GST

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing
★ Digital Marketing
★ Whatsapp Marketing
★ Bulk SMS Marketing
★ Website Development
★ Android Development
★ Software Development
★ Social Media Management

MSGJET
SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

मिले सबका साथ

जी-20 जैसे प्रभावशाली समूह की अध्यक्षता का एक साल का कार्यकाल शुरू होते ही जिस तरह से केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर इसकी सफलता के लिए सभी दलों का सहयोग मांगा, वह उस लोकतांत्रिक भावना की सहज अभिव्यक्ति है जिसकी पिछले कुछ समय से कमी महसूस की जाने लगी थी। मगर सरकार की इस सामयिक पहल ने इस बात को लेकर आश्वस्त किया है कि भले चुनावी राजनीति की विवशताएं कभी-कभार देश के अंदर का राजनीतिक तापमान अप्रत्याशित रूप से बढ़ा देती हैं, लेकिन भारतीय लोकतंत्र मौका आने पर इनसे ऊपर उठने का माद्दा रखता है। प्रधानमंत्री ने बैठक में इस तथ्य को प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया कि यह किसी पार्टी या खास सरकार की बात नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए ऐसा अवसर है, जिसका उपयुक्त इस्तेमाल दुनिया में उसका मान बढ़ा सकता है। अच्छी बात यह रही कि बैठक में शामिल तमाम दलों के नेताओं ने भी अवसर के अनुरूप और इसी भावना के तहत विचार व्यक्त किए। यहां तक कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बैठक के लिए दिल्ली रवाना होने से पहले कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भले ही जी-20 के लोगो में कमल फूल का निशान शामिल करने के फैसले पर आपत्ति जताई, लेकिन बैठक में इस मुद्दे को उठाने से परहेज किया क्योंकि उनके मुताबिक ऐसा करने से दुनिया में भारत के बारे में संदेश अच्छा नहीं जाएगा।

कहने की जरूरत नहीं कि सर्वदलीय बैठक में दिखी राजनीतिक एकजुटता भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है, जो अब तक तमाम ऐसे मौकों पर नजर आती रही है। हालांकि इससे पहले भी भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की बैठक और राष्ट्रमंडल देशों की शिखर बैठक आयोजित की है, लेकिन यह अध्यक्षता ऐसे समय मिल रही है जब दुनिया के कई देश आर्थिक संकट और यूक्रेन युद्ध की दोहरी चुनौतियों से उपजी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में जी-20 के अध्यक्ष के तौर पर अगले एक साल में भारत दुनिया को इस नाजुक दौर से निकलने में निर्णायक मदद कर सकता है। यही नहीं, अगला एक साल खुद भारत के लिए भी अपनी विशिष्टताओं से दुनिया को परिचित कराने और पर्यटन को बढ़ावा देने का एक बेहतरीन मौका है। बेशक भारत यह मौका डिजर्व करता है और वह इसका समुचित इस्तेमाल करने का सामर्थ्य भी रखता है। लेकिन ऐसा सचमुच संभव हो सके, इसके लिए सिर्फ सांकेतिक कदम काफी नहीं होंगे। जरूरी है कि सोमवार को हुई राजनीतिक बैठक में जिस तरह का जज्बा सभी पक्षों ने दिखाया, वह आगे भी उनके व्यवहार में दिखता रहे। जहां सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस मौके पर सिर्फ मौजूदा सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करने के बजाय पिछले 75 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा को समग्रता के साथ पेश किया जाए, वहीं विपक्षी दलों को भी अपनी आलोचना की तीव्रता और उसके दायरे को लेकर खास सतर्क रहना होगा।

आज भी राजस्थानी फिल्मों के निर्माता-निर्देशक सीधे-सीधे हिंदी फिल्मों की नकल करने का प्रयास करते हैं। दर्शक उनकी इस चालाकी को बखूबी समझते हैं और वे ऐसी फिल्मों से दूरी बना लेते हैं। पौराणिक किस्म की औसत दर्जे की कहानी, छोटा कैनवास, सिनेमाई जादू से कोसों दूर- कुल मिलाकर यही परिदृश्य उभरता है, जब हम राजस्थानी सिनेमा की बात करते हैं।

अपनी खामियों से पिटा राजस्थानी सिनेमा

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

राजस्थानी सिनेमा ने करीब 80 साल का सफर तय कर लिया है, पर आज भी उसे किसी मुकम्मल और मजबूत सहारे की जरूरत नजर आती है। लेकिन यह भी निश्चित है कि सिर्फ सरकारी तंत्र के जरिये राजस्थानी सिनेमा की कामयाबी के ख्वाब नहीं देखे जा सकते।

भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ कृतियों से भारतीय और विदेशी सिने प्रेमियों को परिचित कराने के एक व्यापक और महत्वपूर्ण उद्देश्य के साथ हमारे यहां हर साल अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन होता है। इस फिल्म समारोह में देश-विदेश की उत्कृष्ट सिनेमाई कृतियों का तो सिने प्रेमी आनंद लेते ही हैं, साथ ही उन्हें हमारे देश की विभिन्न भाषाओं में बनने वाली उल्लेखनीय फिल्मों को भी देखने का अवसर यहां मिलता है। अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के भारतीय पैनोरमा वर्ग में हर साल बड़ी संख्या में फीचर फिल्मों और नॉन-फीचर फिल्मों का प्रदर्शन किया जाता है। भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह, जिसे अब आईएफएफआई के लघु नाम के साथ इफ्फी के तौर पर जाना जाता है, को इन पंक्तियों के लेखक ने लंबे समय तक नजदीक से देखने और समझने का प्रयास किया है। इस दौरान सिनेमा से जुड़ी एक दिलचस्प यात्रा का हिस्सा बनने और फिल्म जगत की समृद्ध विविधता को समझने का अवसर भी मिला। देश-विदेश की तमाम फिल्मों के माध्यम से लोक जीवन के विविध रंगों में सराबोर होते हुए अनेक बार यह भी जानने का अवसर मिला कि देश की क्षेत्रीय भाषाओं के प्रतिनिधि फिल्मकार भी अपने आसपास की दुनिया को एक अलग नजरिए से देखते हैं और उनमें भी वही छटपटाहट मौजूद है, जो मुख्यधारा के फिल्मकार की कृतियों में नजर आती है।

इसी दौरान लगातार एक सवाल कौंधता रहा कि एक तरफ जहां तमाम भारतीय भाषाओं के फिल्मकार इफ्फी जैसे अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिभा के दम पर सिने प्रेमियों के दिलों में अपने लिए जगह बना रहे हैं, वहीं इस मामले में राजस्थानी सिनेमा आज भी पिछड़ा हुआ क्यों है? ऐसा क्यों है कि राजस्थानी भाषा की किसी भी फिल्म को अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के भारतीय पैनोरमा वर्ग में कोई स्थान नहीं मिलता? ऐसे तमाम सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश करें, तो एक ऐसी तस्वीर उभरती है, जिसमें जीवन के विविध रंग तो मौजूद हैं, लेकिन उन रंगों में जज्बात नजर नहीं आते हैं। इस तस्वीर में सरगम के सुर तो हैं, लेकिन सुरों में किसी को बांध लेने की तासीर नजर नहीं आती। मनोरंजन के समस्त पहलू तो हैं, लेकिन कलात्मक ऊंचाइयां नजर नहीं आती। पौराणिक किस्म की औसत दर्जे की कहानी, साधारण कलाकार, छोटा कैनवास, सिनेमाई जादू से कोसों दूर- कुल मिलाकर यही परिदृश्य उभरता है, जब हम राजस्थानी सिनेमा की बात करते हैं। हालांकि राजस्थानी सिनेमा ने करीब 80 साल का सफर तय कर लिया है, पर आज भी उसे किसी मुकम्मल और मजबूत सहारे की जरूरत नजर आती है।

गुजरे दौर की बात करें, तो पहली राजस्थानी फिल्म के तौर पर 'नजराना' का नाम दर्ज है, जिसके निर्माता-निर्देशक थे जी पी कपूर। महीपाल और सुनयना की जोड़ी वाली यह फिल्म 1942 में रिलीज हुई एक मारवाड़ी फिल्म थी, हालांकि इस फिल्म ने कोई खास मुकाम हासिल नहीं किया। इसके बाद लंबा अंतराल रहा और फिर लगभग 20 साल बाद बी के आदर्श लेकर आए फिल्म 'बाबासा री लाडली'। यह फिल्म 1961 में रिलीज हुई थी और इसे पहली हिट राजस्थानी फिल्म के रूप में याद किया जाता है और विधिवत तौर पर यहीं से राजस्थानी सिनेमा की शुरुआत मानी जा सकती है। निर्माता और निर्देशक जतिनकुमार अग्रवाल की 1983 की फिल्म 'म्हारी प्यारी चनणा' ने पहली बार राजस्थानी सिनेमा को कारोबारी कामयाबी की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। राजस्थानी भाषा की यह पहली ऐसी फिल्म है, जिसने सिल्वर जुबली मनाई। अस्सी और नब्बे के दशक में अनेक राजस्थानी फिल्मों का निर्माण किया गया, जिनमें संगीतमय फिल्म 'बाई चाली सासरिये' भी शामिल है, जिसने 'म्हारी प्यारी चनणा' के बाद एक बार फिर राजस्थानी सिनेमा को कामयाबी की बुलंदियों तक पहुंचाया। इसी दौर में अनेक फिल्मों का निर्माण किया गया, जिनमें 'सुपातर बीनणी', 'पिया मिलण री आस', 'चोखो लागे सासरियो', 'थारी-म्हारी', 'जय बाबा रामदेव', 'धरम भाई', 'बिकाऊ टोरडो/आच्छ्यो जायो गीगल्यो' और 'नानी बाई को मायरो' जैसी फिल्मों के नाम प्रमुख हैं। नब्बे के दशक में भी यह सिलसिला कायम रहा और इस दौर में जिन फिल्मों ने थोड़ी-बहुत धूम मचाई, उनमें 'रामगढ़ की रामली', 'जाटणी', 'डिग्गीपुरी का राजा', 'बाबा रामदेव' और 'दूध रो करज' के नाम उल्लेखनीय हैं।

राजस्थानी भाषा के फिल्मकारों ने इस बदहाली के लिए प्रदेश सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया और क्षेत्रीय भाषाई सिनेमा के लिए अनुदान की मांग कर डाली। दरअसल दूसरे प्रदेशों की सरकारें अपनी माटी से जुड़े सिनेमा को प्रोत्साहन देने के लिए अनुदान और दूसरी सहायता प्रदान करने की नीतियों पर चल रही थीं। दक्षिण भारत में तो रीजनल सिनेमा के लिए हमेशा ही अनुकूल स्थितियां रही हैं, पर अब उत्तर भारत के राज्य भी इन्हीं नीतियों को अपनाने लगे। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सरकारों ने सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए, लेकिन इस मोर्चे पर राजस्थान सरकार पीछे रह गई।

इस दिशा में प्रभावी बदलाव के लिए फिल्मकारों को ही जरूरी कदम उठाने होंगे। राजस्थानी सिनेमा के पक्षधर ज्यादातर लोगों का कहना है कि आज भी राजस्थानी फिल्मों के निर्माता-निर्देशक सीधे-सीधे हिंदी फिल्मों की नकल करने का प्रयास करते हैं। दर्शक उनकी इस चालाकी को बखूबी समझते हैं और वे ऐसी फिल्मों से दूरी बना लेते हैं। जब असल मौजूद है, तो कोई नकल देखने क्यों जाए। कहानी और स्क्रिप्ट के मोर्चे पर भी फिल्मकारों को नए प्रयोग करने होंगे। मौजूदा हाईटेक दौर के दर्शक किसी फिल्म के साथ तभी जुड़ाव महसूस करते हैं, जब उसमें उन्हें अपनी जिंदगी की झलक नजर आए। आज के दर्शक को सिर्फ धार्मिक और पौराणिक विषयों पर आधारित फिल्मों के सहारे फिल्मों से नहीं जोड़ा जा सकता। अपनी मायड़ भाषा में बनी किसी फिल्म में उन्हें अपनी माटी की सुगंध चाहिए, अपनी जुबान चाहिए, अपने रंग और अपने जज्बात चाहिए।

(ये लेखक के अने विचार है)

ओपिनियन

जी-20 की अध्यक्षता से बढ़ा भारत का कद

भारत अगले एक साल के लिए जी-20 का अध्यक्ष चुना गया है। पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा कि भारत इस दौरान दुनिया में एकता की सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देगा। उन्होंने फिर से कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है। चाहे कोरोना वैक्सिनेशन का मामला हो या यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद के हालात, वैश्विक मंच पर भारत की हैसियत लगातार बढ़ी है।

एम.के. पोद्दार
इन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

जी-20 की अपनी अध्यक्षता शुरू करने से पहले ही पीएम नरेंद्र मोदी ने यह साफ कर दिया कि भारत इस दौरान दुनिया में एकता की सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देगा। उन्होंने फिर से कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है। भारत गुरुवार से अगले साल नवंबर तक के लिए जी-20 का अध्यक्ष बना है। आज दुनिया भारत को उम्मीद की नजर से देख रही है तो वह यूं ही नहीं है। चाहे कोरोना वैक्सिनेशन का मामला हो या यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद के हालात, वैश्विक मंच पर भारत की हैसियत लगातार बढ़ी है। भारत लगातार विकासशील और गरीब देशों की ओर से आवाज उठा रहा है। मोदी कह चुके हैं कि भारत अपनी जी-20 प्राथमिकताओं को दुनिया के दक्षिणी हिस्से के उन साथी देशों के भी परामर्श से निर्धारित करेगा, जिनकी बातें अक्सर

अनसुनी कर दी जाती हैं। भारत की हैसियत इसलिए भी बढ़ी है कि उसने महाशक्तियों की राजनीति से खुद को बचाते हुए हमेशा आर्थिक और मानवीय विकास पर फोकस बनाए रखा है। आज जब दुनिया के कई देश मंदी से घिरे हैं, तब भारत इस वित्त वर्ष में लगभग सात फीसदी की ग्रोथ हासिल करने जा रहा है। क्लाइमेट चेंज से लड़ाई में भारत ने ग्लोबल लीडरशिप दिखाई है। लेकिन उसने जी-20 की अध्यक्षता ऐसे वक्त में संभाली है, जब दुनिया जबरदस्त संकट से गुजर रही है। जी-20 के 19 सदस्य देशों में से तीन में मुद्रास्फीति की दर 10 फीसदी से अधिक है तो 7 में यह 7.5 से 10 प्रतिशत के बीच है। यूक्रेन युद्ध के चलते ऊर्जा और फूड चेन की हालत भी इस समय बेहद खराब हो चुकी है। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए बातचीत की अपील कर चुके हैं। बाली में हुई जी-20 की पिछली बैठक में चीन को भी आखिरकार यही बात कहनी पड़ी, जिसे पीएम मोदी ने शंघाई को-ऑपरेशन समिट से ही कहना शुरू कर दिया था और जिसे वल्दाई फोरम में रूस ने समझा था। बाली समिट में भारत की कोशिशों से ही साझा बयान जारी हो पाया। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत के पास ग्लोबल अजेंडा तय करने का मौका है और सरकार की योजना भी ऐसी ही लग रही है। वह पहले ही दुनिया की पांचवीं बड़ी आर्थिक ताकत बन चुका है और इस दशक के खत्म होने से पहले चीन, अमेरिका के बाद तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। इसलिए इसमें जरा भी संदेह नहीं है कि भारत की बात दुनिया ध्यान से सुनेगी। अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की वजह से उसकी साख दशकों से बनी हुई है और इधर वह और मजबूत हुई है। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जी-20 की अध्यक्षता के दौरान उसकी प्राथमिकता क्या होगी। पीएम मोदी समग्र मानवता के कल्याण के लिए कोशिश करने का इरादा जता चुके हैं। वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र देने वाले भारत की यही परंपरा भी रही है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

शक्ति की लीला से ही अवतार होते हैं। ब्रह्म आकाश की तरह है, उसमें कोई विकार नहीं। ईश्वर सागर है और जीव लहर। लहर सागर की है, यह कहना तो समझ में आता है, किंतु लहर ही सागर है, यह कहना अच्छा नहींलगता। हालांकि तत्वतः लहर और सागर दोनों ही जल हैं, दोनों एक ही हैं। ब्रह्म आदि तत्व है, जिससे सभी तत्वों की उत्पत्ति होती है। ब्रह्म ही सृष्टि का आदि कारण है। काल को भी ईश्वर के रूप में अनादि अनन्त और व्यापक विभु कहा गया है, काल को भी भगवान कहा गया है। गीता में भगवान कहते हैं- कालः कलयता महम् अर्थात मैं ही काल हूं। सृष्टि का सृजन पालन एवं संहार काल भगवान करते हैं। काल एक अनिर्वचनीय तत्व है। हम जिस जगत में रहते हैं, उसके नियामक काल रूप सूर्य ही हैं। ज्योतिष के अनुसार 'शून्य' को परम ब्रह्म तत्व या भगवत तत्व के रूप में स्वीकार किया गया है। शून्य के पर्यायवाची शब्द हैं-ख, आकाश, व्योम, नभ, अनन्त और पूर्ण। ये शब्द शात्रों में अनेक जगह ब्रह्म के लिए भी प्रयोग किए गए हैं। **क्रमशः**

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

इनारा डॉटर इदरीस - लुबना, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : **9829329070, 9928022718**

पराश्रित व्यक्तित्व विकार : मनोविज्ञान

व्यक्तित्व को यदि हम परिभाषित करना चाहें तो मोटे तौर पर यह एक व्यक्ति का वह पक्ष है जिसके द्वारा वह अपने आसपास के संसार को आंकता पढ़ता है। यह आंकना पढ़ना इस पर निर्भर करता है कि कोई व्यक्ति समय काल पर किस प्रकार के विचार रखता है और किस तरह महसूस करता है। इस व्यक्तित्व के विकास में अनुवांशिकता, वातावरण, जैविक पक्ष आदि का योगदान रहता है। व्यक्तित्व के कई प्रकार होते हैं और उनमें से एक होता है पराश्रित व्यक्तित्व विकार यानी डिपेंडेंट पर्सनेलिटी डिसऑर्डर (डी पी डी)।

डॉ. रामावतार शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

इस विकार से प्रभावित लोग बेहद घबराहट में रहते हैं, हर समय परेशानी को ओढ़े रहते हैं। इन लोगों को हर समय हर कार्य के लिए किसी न किसी के सहारे, सलाह और आश्वासन की जरूरत होती है तभी वे शांत बने रह सकते हैं। किसी भी निर्णय लेने में अक्षम होने के कारण वे दिनचर्या के अति साधारण कार्य भी पूर्ण नहीं कर पाते। यहां तक कि खाने और पहनने के निर्णय लेने की भी क्षमता डी पी डी के लोगों में नहीं होती है। उनको लगता रहता है कि वे जो भी कर रहे हैं वह ठीक से नहीं हो रहा है। आत्म विश्वास की इस अत्यधिक कमी के कारण उन्हें लगने लगता है कि लोग उन्हें छोड़ कर आगे बढ़ जायेंगे और वे पिछड़ कर अकेले रह जायेंगे। इसके फलस्वरूप वे अपने हर एक रिश्ते में दीन हीन बने रहते हैं, एक तरह से मानसिक परजीवी।

अनुवांशिकता, बचपन की कोई कष्टदायक घटना, अत्यधिक अधिकारवादी या महत्वाकांक्षी माता पिता या संरक्षक अथवा अध्यापक आदि इस तरह के विकार को अंकुरित कर सकते हैं जो कि एक प्रतिशत लोगों में किसी ना किसी रूप में देखा जाता है। यहां इस बात का ध्यान रखने की जरूरत है कि कुछ हद तक की निर्भरता हम सब में होती है पर यह यदि लगातर अनिर्णिति रहने तथा अत्यधिक बैचेनी के साथ हो तभी इसे विकार के रूप में माना जाता है।

एक बार पूर्ण स्थापित होने के बाद इस स्थिति से निकलना अत्यधिक कठिन होता है। संयोग से यदि कोई दार्शनिक मनोविज्ञानी मिल जाए तो इस स्थिति से काफी हद तक बाहर आया जा सकता है क्योंकि बचपन के प्रारंभिक समय को यदि छोड़ दिया जाए तो फिर बाद में किसी भी इंसान के व्यक्तित्व में कोई आमूल चूल परिवर्तन होना बड़ा कठिन कार्य होता है। इसके अलावा विशेषज्ञ मनोचिकित्सा एक लंबा तथा महंगा कार्यक्रम होता है जिसमें परिणाम कैसा निकलेगा इसके बारे में पहले से नहीं जा सकता है। यह ज्यादा प्रभावशाली कदम माता पिता या नजदीकी रिश्तेदार उठा सकते हैं। बच्चों को बढ़ती उम्र के साथ ही कुछ जिम्मेदारियां सौंप देना चाहिए और असफल होने पर किसी बच्चे को प्रताड़ित करने की बजाय पारस्परिक संवाद द्वारा स्थिति स्पष्ट करना ही सही कदम होता है। इस तरह की बातों को अपनाना भविष्य के लिए फायदेमंद होता है।

हिमाचल चुनाव चुनौति बनी रहेगी

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस में गुटबाजी की जितनी चर्चा पिछले दिनों से थी, उसके मद्देनजर नए सीएम के रूप में सुखविंदर सिंह सुक्खू का चयन सहजता से हो गया। हालांकि यह फैसला उतना सहज है नहीं, जितना ऊपर से लग रहा है। चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह ने खुलकर अपने परिवार का दावा पेश किया था। इसके पीछे वीरभद्र सिंह की समृद्ध विरासत थी। ध्यान रहे, इन चुनावों में बीजेपी की हार के पीछे एक बड़ा कारण पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम सिंह धूमल की कथित उपेक्षा से उपजे असंतोष को ही बताया जा रहा है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं है कि कांग्रेस ने राज्य में एक तरह से जोखिम मोल लिया है। मगर इस जोखिम की वजह से प्रदेश राजनीति को एक सार्थक मोड़ मिला है। राज्य में कांग्रेस की राजनीति राजपरिवार के साये से बाहर निकली है।

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सुक्खू एक आम परिवार से आते हैं। राजनीति में भी उनका करियर बिल्कुल नीचे से ऊपर उठने का रहा है। कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि नया नेतृत्व सरकार में अपने कार्यकाल का फायदा उठाते हुए प्रदेश में पार्टी को मजबूती देगा। मगर असंतोष को काबू में रखना एक बड़ी चुनौती साबित होने वाली है। राज्य में बीजेपी की ताकत खास कम नहीं हुई है। उसकी विधायक संख्या और विधानसभा में बहुमत के बीच महज नौ सीटों का गैप है। ऐसे में अन्य राज्यों के अनुभव के मद्देनजर कांग्रेस नेतृत्व को चौकस रहना होगा कि पार्टी के अंदर के असंतोष का दूसरे फायदा ना उठा लें।

हालांकि पहले राउंड में कांग्रेस नेतृत्व ने इस मसले को कुशलता से निपटाया है। प्रदेश विधायक दल की बैठक से पहले भले ही प्रतिद्वंद्वी गुटों की ओर से दबाव बनाने की कोशिशें हुईं, लेकिन घोषणा होते ही प्रतिभा सिंह ने कह दिया कि आलाकमान का फैसला उन्हें पूरी तरह मान्य है। अभी तो सिर्फ मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने शपथ ली है, लेकिन कहा जा रहा है कि विक्रमादित्य सिंह को महत्वपूर्ण विभाग का जिम्मा सौंपने पर सहमति बन गई है। उपमुख्यमंत्री पद भी मुकेश अग्निहोत्री को दिया गया है, जो वीरभद्र सिंह के करीबी रहे हैं। इन सबसे अलग, शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जिस तरह से राहुल गांधी मंच पर उठकर अपनी सीट से कई कदम आगे जाकर प्रतिभा सिंह से मिले, उन्हें गले लगाया, वह इस बात का साफ संकेत था कि मुख्यमंत्री चाहे कोई भी भी बने, प्रदेश राजनीति में इस परिवार का ऊंचा स्थान बना रहेगा। यह सहयोग, सामंजस्य और सौहार्द ही प्रदेश में राजनीतिक स्थिरता की गारंटी है। इसके साथ अब कांग्रेस सरकार के सामने अपने किए गए वादों को पूरा करने की चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला ने बिलकिस बानो केस की सुनवाई से खुद को किया अलग

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला त्रिवेदी ने बिलकिस बानो केस की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है, जिसके बाद अब इस मामले की सुनवाई अलग बेंच को सौंपी जाएगी। जस्टिस बेला ने खुद को इस केस से अलग करने के कारण का खुलासा नहीं किया है। गुजरात में 2002 के गोधरा दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ गैंग रेप और उसके परिवार की हत्या करने वाले दोषियों को गुजरात सरकार ने रिहा कर दिया है, जिसके खिलाफ बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। जिस याचिका में कहा गया है कि दोषियों की समय से पहले की रिहाई ने "समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है।" मंगलवार को जैसे ही जस्टिस त्रिवेदी और जस्टिस अजय रस्तोगी की बेंच ने इस मामले की सुनवाई शुरू की,जस्टिस रस्तोगी ने कहा कि उनकी बहन जज मामले की सुनवाई नहीं करना चाहेंगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 14/12/2022

सूर्योदय : 07:16 **सूर्यास्त :** 17:18 **चन्द्रोदय :** 22:46 **चन्द्रास्त :** 11:42 **शक सम्वत :** 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना :** मार्गशीर्ष **पूर्णिमांत :** पौष **सूर्य राशि :** वृश्चिक **चन्द्र राशि :** सिंह **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** षष्ठी, 23:40 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1944 शुभकृत **विक्रम सम्वत :** 2079 राक्षस **गुजराती सम्वत :** 2079 आनन्द **चन्द्रमास पौष :** पूर्णिमान्त **मार्गशीर्ष :** अमान्त **द्रिक ऋतु :** हेमन्त

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मघा, 29:10 तक
योग : विष्कंभ, 31:28 तक
प्रथम करण : गारा, 10:33 तक
द्वितिय करण : वणिजा, 23:40 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:16 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:44 ए एम से
विजय मुहूर्त	01:59 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:23 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:26 पी एम से
अमृत काल	02:36 ए एम, दिसम्बर 15 से
निशिता मुहूर्त	11:49 पी एम से
रवि योग	07:06 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : गुरू
चन्द्रवास : पूर्व

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

लाभ : 07:15 - 08:30
अमृत : 08:30 - 09:46
काल काल वेला : 09:46 - 11:01
शुभ : 11:01 - 12:16
रोग वार वेला : 12:16 - 01:32
उद्वेग : 01:32 - 02:47
चर : 02:47 - 04:02
लाभ : 04:02 - 05:17

रात का चौघड़िया

उद्वेग : 05:17 - 07:02
शुभ : 07:02 - 08:47
अमृत : 08:47 - 10:32
चर : 10:32 - 12:17
रोग : 12:17 - 02:01
काल : 02:01 - 03:46
लाभ : 03:46 - 05:31
उद्वेग : 05:31 - 07:16

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज षष्ठी

आज कौन सा कार्य करें

षष्ठी : यात्रा, पितृ कर्म, मंगल कार्य, संग्राम, शिल्प, वास्तु, भूषण के लिए शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, कृष्ण, षष्ठी, 2079 बुधवार, 14 दिसम्बर - 20 दिसम्बर, 2022

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक [तो, ना, नी, नू, या, यी, यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

राहुल गांधी को पसंद आई राजस्थान की योजनाएं

गहलोत खुद ले रहे फ्लैगशिप योजनाओं का फीडबैक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस बार अपनी सरकार रिपीट कराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वे अपनी फ्लैगशिप योजनाओं पर फीडबैक लेने के लिए खुद फील्ड में उतर गए हैं। हाल ही उन्होंने मंत्रियों-विधायकों और उसके बाद आईएएस अफसरों ने इनका फीडबैक मांगा था। इसकी एक रिपोर्ट सचिवालय में तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने दो बार राहुल गांधी को इन योजनाओं की जानकारी दी है। राजस्थान में उनकी यात्रा अलवर जिले में समाप्त होगी और हरियाणा में प्रवेश करेगी। इससे ठीक पहले अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में (मालाखेड़ा) में एक बड़ी सभा 19 दिसंबर को होगी। इस सभा में राहुल गांधी लोगों को सीएम गहलोत की 5 बड़ी फ्लैगशिप योजनाओं के फायदे बताएंगे। यह सभा राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की के दौरान होने वाली सबसे बड़ी सभा होगी। इसकी तैयारियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, उद्योग मंत्री शकुंतला रावत और सामाजिक न्याय राज्य मंत्री टीकाराम जूली जुटे हुए हैं। राज्य सरकार की प्रशासनिक मशीनरी को निर्देश मिल चुके हैं।

सीएम अशोक गहलोत अपनी मंशा अफसरों से लेकर कांग्रेस आलाकमान तक जाहिर कर चुके हैं। वे सरकार रिपीट करने के लिए आगामी चुनाव से पहले अपनी फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ आम जन तक केवल पहुंचाने के आदेश ही नहीं देना चाहते बल्कि यह पुख्ता भी करना चाहते हैं कि आम लोगों तक उनका लाभ पहुंचा या नहीं। वे अगले चुनावों में केवल अपनी योजनाओं को ही मुख्य मुद्दा बनाना चाहते हैं।

क्या है सीएम गहलोत का आम लोगों से फीडबैक लेने का फॉर्मूला

हाल ही अलग-अलग इलाकों में सीएम गहलोत किन्हीं कार्यक्रमों, सभाओं, सम्मेलन आदि में गए तो उन्होंने यह फॉर्मूला अपनाया। वे अचानक कार्यक्रम के दौरान ही भीड़ में गए और किसी भी आम आदमी से अपनी फ्लैगशिप योजना के बारे में पूछा, बातें की और अफसरों को उनके बारे में बताया भी।

यह हैं सीएम गहलोत की खास फ्लैगशिप योजनाएं

चिरंजीवी मुफ्त इलाज और बीमा योजना

राजस्थान में गहलोत सरकार चिरंजीवी योजना के तहत 10 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त व मुफ्त दवा योजना चला रही है। इसमें पांच लाख तक का दुर्घटना बीमा भी है। इस योजना के तहत अब तक करीब 3200 करोड़ रुपए राज्य सरकार ने खर्च किए हैं।

शहरी रोजगार योजना

मुख्यमंत्री गहलोत ने 1 अक्टूबर से ग्रामीण क्षेत्र की नरेगा की तर्ज पर राजस्थान में शहरी क्षेत्रों में भी 100 दिन का रोजगार गारंटीड देने की योजना शुरू की है।

ओल्ड पेंशन स्कीम

मुख्यमंत्री गहलोत ने फरवरी 2022 में विधानसभा में पेश किए गए बजट में सरकारी कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम (2004 से पहले वाली) लागू कर दी है। इसके तहत करीब साढ़े सात लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

इंदिरा रसोई योजना

राजस्थान में लागू है। हाल ही स्वयं मुख्यमंत्री गहलोत ने अपनी पत्नी सुनीता गहलोत के साथ जयपुर में इंदिरा रसोई योजना में भोजन भी किया था। इस योजना के तहत राज्य के लगभग सभी शहर-कस्बों में मात्र आठ रुपए प्रति प्लेट की दर से लोगों को भोजन मिलता है। इसके तहत पूरे राजस्थान में लगभग 900 रसोइयां शुरू की गई हैं।

किसानों की कर्ज माफी

अब तक प्रदेश में 22 लाख किसानों का कर्जा माफ किया जा चुका है पिछले चार सालों में। यह वो कर्जा था जो किसानों खेती के कार्यों को पूरा करने के लिए लिया था, लेकिन पर्याप्त पैदावार ना होने से कर्जा चुकाया नहीं जा सका। वर्ष 2018 में राजस्थान में सत्ता में आने से पहले कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी ने यह वादा किया था।

सीएम का फोकस 5 विशेष योजनाओं पर

100 से अधिक फ्लैगशिप योजनाएं हैं राजस्थान में। लेकिन राहुल गांधी की सुविधा के लिए सभी का जिक्र उनके भाषण में संभव नहीं है। ऐसे में कुछ बड़ी प्रमुख योजनाओं की रिपोर्ट तैयार की गई है। जिसमें सभी योजनाओं में लाभार्थियों की संख्या, नाम आदि के विषय में विस्तृत जानकारी है। इन में ओल्ड पेंशन स्कीम, इंदिरा रसोई योजना चिरंजीवी योजना, उड़ान योजना, वृद्धावस्था सामाजिक पेंशन और इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना शामिल हैं। सीएम ने हाल ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इन पांचों योजनाओं को पूरे देश में लागू करने की मांग भी की है।

कोटा : मजदूरों से चिरंजीवी योजना का फीडबैक

हाल ही राहुल गांधी जब कोटा क्षेत्र में यात्रा पर आए तो सीएम गहलोत ने समय निकालकर 5-6 आम मजदूर लोगों से बातचीत की। इस बातचीत में सीएम गहलोत ने उनसे चिरंजीवी योजना का नाम पूछा। मुफ्त दवा मिलने के बारे में पूछा। तब एक मजदूर व्यक्ति ओमप्रकाश ने उन्हें बताया कि उसकी भाभी का एक ऑपरेशन हाल ही जयपुर में मुफ्त हुआ था। उस ऑपरेशन का खर्चा करीब 8 लाख रुपए आया था। सीएम गहलोत ने इस फीडबैक को अपने पास दर्ज भी किया है। सूत्रों का कहना है कि इसे राहुल गांधी जल्द ही अपने भाषण में जगह देंगे।

बीकानेर: युवाओं से रोजगार का फीडबैक

बीकानेर दौरे के दौरान सीएम गहलोत ने दो युवाओं के साथ नौकरियों पर बात की। राज्य सरकार ने हाल ही जो रोजगार मेले लगाए हैं, उनकी जानकारी ली। सीएम गहलोत ने उन्हें मिले पैकेज के बारे में फीडबैक लिया। उनका प्रोजेक्ट भी देखा। उसके बाद गहलोत ने उस प्रोजेक्ट की सराहना की और अफसरों को निर्देश दिए कि इस प्रोजेक्ट को दिखवाया जाए और किसी तरह से सरकार के काम-काज में इसका उपयोग संभव हो तो लिया जाए।

झालावाड़: सरकारी शिक्षा व स्कीम्स का फीडबैक

झालावाड़ क्षेत्र में सरकारी स्कूल की 8-10 छात्राओं को सीएम गहलोत ने अपने पास बुलाया। उनसे उनकी पढ़ाई और स्कूल की व्यवस्था के बारे में बातचीत की। इस मौके पर खान मंत्री प्रमोद जैन भाया और राजस्व मंत्री रामलाल जाट भी मौजूद थे। उनसे स्कूलों में मिलने वाली ड्रेस, मिड-डे मील और शिक्षकों की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी ली।

चित्तौड़गढ़ : बुजुर्गों से पेंशन स्कीम का फीडबैक

चित्तौड़गढ़ जिले के जालमपुरा गांव सीएम गहलोत ने बुजुर्गों से वृद्धावस्था पेंशन के बारे में जानकारी ली। सीएम ने इस मौके पर एक बुजुर्ग नगजीराम जाट जो करीब 96 वर्ष के थे, उन्हें 100 वर्ष का होने की शुभकामनाएं भी दीं। बदले में बुजुर्ग नगजीराम जाट ने गहलोत को चौथी बार सीएम बनने का आशीर्वाद दिया।

कोटा : किसान से कर्ज माफी का फीडबैक

कोटा क्षेत्र के एक किसान सत्यनारायण मीणा और उनके साथियों को बुलाया। किसानों से उनका कर्जा माफ होने के बारे में जानकारी ली। किसान सत्यनारायण ने बताया कि उनका करीब एक लाख 55 हजार रुपए का कर्जा माफ हुआ है। यह जानकारी भी सीएम गहलोत ने पूरे प्रदेश से जुटाकर राहुल गांधी को सौंपी है। पूरे प्रदेश में लगभग 22 लाख किसानों का कर्जा माफ किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन

दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 8 अप्रैल से

विश्वभर से शामिल होंगे अग्रबंधु, राजस्थान के धार्मिक स्थलों का करेंगे भ्रमण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 8 एवं 9 अप्रैल 2023 को राजस्थान प्रांतीय इकाई के आतिथ्य में गुलाबी नगरी के स्टारडम रिसोर्ट में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल कोलकाता ने बताया कि राजधानी जयपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के तहत 8 अप्रैल को देश एवं विदेशों में भी निवासरत सम्मेलन परिवार के सदस्य सदस्यों का आगमन होगा। 9 अप्रैल को राष्ट्रीय अधिवेशन का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय अधिवेशन को लेकर राजस्थान प्रांतीय इकाई भी जोर-शोर से तैयारियों में जुटी हुई है, तो वहीं अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के विभिन्न राज्यों तथा भारत के बाहर अन्य देशों में भी स्थापित राष्ट्रीय इकाइयों से प्रतिनिधि शामिल होंगे।अधिवेशन के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भी संगठन को मजबूत बनाने एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रवाल समाज के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में सकारात्मक पहल की जायेगी।मित्तल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि वे 8 एवं 9 अप्रैल 2023 के इस राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने के लिए अधिक अधिक से अधिक संख्या में अपने सामाजिक बंधुओं, इष्ट मित्रों, रिश्तेदारों को भी इस कार्यक्रम की सूचना दें एवं अभी से ही आने-जाने का आरक्षण अपनी सुविधानुरूप कराये। सम्मेलन के राष्ट्रीय अधिवेशन को लेकर महिला विंग एवं युवा विंग में भी भारी उत्साह देखा जा रहा है तथा अधिवेशन की तिथि घोषित होते ही लगभग 80 से ज्यादा सदस्यों ने अपने जयपुर पहुंचने की सहमति केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी है। जयपुर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन अजमेर रोड, स्टारडम रिसोर्ट में किया जाएगा। अधिवेशन में प्रथम आओ- प्रथम पाओ के आधार पर अग्रिम पंजीयन किया जा रहा है। अन्तरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राजस्थान प्रांतीय इकाई ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में पधारे समाज के अग्रबंधु राजस्थान के प्रसिद्ध पवित्र धर्म स्थलों का भी दर्शन एवं भ्रमण करेंगे। अधिवेशन की तैयारियों के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व में प्रांतीय इकाई जोर-शोर से लगी हुई है। अधिवेशन में संस्था के सक्रिय सदस्यों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन का प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन कोलकाता में संपन्न हुआ था तथा उसके पश्चात विगत वर्षों में मथुरा एवं दिल्ली प्रदेश में भी राष्ट्रीय अधिवेशन होना सुनिश्चित हुआ था, किंतु समस्त तैयारिया पूर्ण होने के बावजूद कोविड-19 संक्रमण की विपरीत परिस्थितियों के चलते यहां अधिवेशन नहीं हो पाया। सम्मेलन के केंद्रीय नेतृत्व ने संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में वर्चुअल रूप से राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन कर अपनी कार्य योजनाओं को गति प्रदान की तथा अब जयपुर का यह अधिवेशन पूरी दुनिया में अग्रवाल समाज के बड़े अग्र महाकुंभ के रूप में संपन्न होगा।

ये आयोजन प्रस्तावित

अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के इस राष्ट्रीय अधिवेशन में जहां राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक, राष्ट्रीय सामान्य सभा, राष्ट्रीय खुला सत्र भी होगा, तो वही उपस्थित सदस्यों से भी संगठन हित में सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे, साथ ही इस राष्ट्रीय अधिवेशन में देश के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित करने वाली समाज की हस्तियों का भी सम्मान होगा, साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज हित में विभिन्न प्रस्ताव भी पारित होंगे।

नाबार्ड: ग्रामीण विकास में खर्च होंगे 2.75 लाख करोड़

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ओर से राजस्थान में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए दो लाख 75 हजार करोड़ रुपए के प्राथमिकता क्षेत्र ऋण संभाव्यता का अनुमान लगाया गया है। नाबार्ड द्वारा गुरुवार को यहां स्टेट क्रेडिट सेमिनार का आयोजन किया गया और इस दौरान वित्त वर्ष 2023-24 के लिए तैयार किए गए स्टेट फोकस पेपर (एसएफपी) का विमोचन किया गया, जो राजस्थान राज्य में भौतिक और वित्तीय दोनों संदर्भों में दोहन जिलावार का लेखा-जोखा भी है। इस अवसर पर सहकारिता विभाग की प्रमुख सचिव श्रेया गुहा और भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक रोहित पी दास, नाबार्ड के सीजीएम बी. कुरुप और एसएलबीसी संयोजक कमलेश कुमार चौधरी भी मौजूद थे।

राजस्थान सरकार ने किसानो को दी 75 करोड़ की सब्सिडी

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार की ओर से किसानों को बिजली के बिलों में राहत देने के लिए शुरू की गई किसान ऊर्जा मित्र योजना में जिले में किसानों को अब तक करीब 75.65 करोड़ रुपए की सब्सिडी डिस्कॉम की ओर से जारी की गई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की ओर से किसानों को बिजली के बिलों में सब्सिडी देने के लिए 17 जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री किसान ऊर्जा मित्र फ्लैगशिप योजना शुरू की गई थी। जोधपुर जिले में सितंबर 2021 से योजना का क्रियान्वयन शुरू हुआ।राज्य सरकार की ओर से किसानों को बिजली के बिलों में राहत देने के लिए शुरू की गई किसान ऊर्जा मित्र योजना में जिले में किसानों को अब तक करीब 75.65 करोड़ रुपए की सब्सिडी डिस्कॉम की ओर से जारी की गई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की ओर से किसानों को बिजली के बिलों में सब्सिडी देने के लिए 17 जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री किसान ऊर्जा मित्र फ्लैगशिप योजना शुरू की गई थी। जोधपुर जिले में सितंबर 2021 से योजना का क्रियान्वयन शुरू हुआ। योजना का फायदा उठाने के लिए ज़रूरी है कि किसान राजस्थान का मूल निवासी हो। ऐसे किसान जो न तो इनकम टैक्स देते हो और ना ही केंद्र या राज्य सरकार के कर्मचारी हो, वे सब इस योजना में आवेदन कर सकते है।

जागरूक खबरें

राजासिंह का किया भव्य स्वागत

जयपुर @ जागरूक जनता। हिंदू हृदय सम्राट टाइगर राजा सिंह के जयपुर आगमन पर हिंदू युवा वाहिनी द्वारा भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के बाद हिंदू युवा वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष केशव अरोड़ा ने राजा सिंह का भगवा साफा और भगवा दुपट्टा पहना कर सम्मान किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया। राजा सिंह के साथ विस्तृत संगठनात्मक चर्चा हुई। अंत में मोती डूंगरी स्थित गणेश जी महाराज के दर्शन किए।

रवींद्र मंच पर 'ताल' सम्पन्न

जयपुर @ जागरूक जनता। अग्रवाल एजुकेशनल कल्चर एंड वेलफेयर सोसाइटी के सोलहवें वार्षिक उत्सव 'ताल' का आयोजन किया गया। उत्सव में रवींद्र मंच पर कथक नृत्य की प्रस्तुतिया दी गई। कार्यक्रम में डॉ. स्वाति अग्रवाल की शिष्याओं ने कथक की प्रस्तुति दी जिसमे उन्होंने गणेशवंदना से प्रारंभ किया। डॉ स्वाति अग्रवाल और आराध्या अग्रवाल ने कथक जुगलबंदी की सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण रहा ध्रुवपद पर कथक, जिसको गौरवी, संस्कृति, ऐश्वी, चार्वी और स्नेहल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में ताल तीनताल शुद्ध कत्थक नृत्य और लोक नृत्यो की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर प्रतिभावान छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में लक्ष्मण व्यास मूर्तिकार (अध्यक्ष, ललित कला अकादमी, राजस्थान) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय ब्राम्हण परिषद (रजि) में प्रदेश प्रभारियों की नियुक्ति

नई दिल्ली/जयपुर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव शर्मा एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा (महिला प्रकोष्ठ) अंतिमा इंदौरिया ने राष्ट्रीय कोर कमेटी के निर्देशानुसार संगठन मे प्रदेश प्रभारियों की नियुक्तियां की हैं। जिनमे डॉ.विमलेश विनोद कटारा को राजस्थान, डॉ.मोतीलाल शर्मा को हरियाणा, योगेश शर्मा को दिल्ली, पवन मिश्रा को पंजाब, चंद्रशेखर तिवारी को गुजरात, बाबूलाल शर्मा को उत्तराखंड, एडवोकेट रमेश चंद्र शर्मा को बिहार, त्रिवेंद्र पाठक को हिमाचल प्रदेश, ज्योतिषाचार्य प्रिया मिश्रा को महाराष्ट्र, अलका शर्मा को मध्यप्रदेश, पंकज शर्मा को उत्तरप्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

सीनियर की छात्रा को 5 हजार, स्नातक को 12 और पीएचडी की छात्रा को प्रतिवर्ष मिलते हैं 15 हजार रुपए

कृषि में बेटियों की रुचि बढ़ाने के लिए सरकार की अनोखी पहल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भरतपुर। कृषि क्षेत्र में बेटियों की रुचि बढ़ाने के लिए सरकार ने अनोखी प्रोत्साहन राशि योजना शुरू की है। योजना से पिछले करीब 15-20 वर्षों की तुलना में फिलहाल इस क्षेत्र में छात्राओं की संख्या बढने लगी है। इस बार अभी तक जिले से प्रोत्साहन राशि के लिए 390 आवेदन आ चुके हैं। यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है।

जिले में फिलहाल 6 कृषि महाविद्यालय हैं। यह महाविद्यालय भरतपुर, कुम्हेर, भुसावर, पहाड़ी, नगर, और रहीमपुर में हैं। इसके अलावा 12 सीनियर सैकण्डरी कृषि स्कूल हैं। योजना के तहत सीनियर सैकंडरी कृषि की छात्रा को पांच हजार,

स्नातक/स्नाकोत्तर कृषि की छात्रा को 12 हजार एवं पीएचडी कृषि की छात्रा को 15 हजार रुपए प्रति वर्ष मिलते हैं। कृषि में अध्ययन करने वाली छात्राएं राजस्थान मूल की होनी चाहिए, उन्हीं को यह प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

पिछली वर्ष 381 ने किया आवेदन

योजना के तहत भरतपुर जिले में पिछले वर्ष 381 कृषि संकाय की छात्राओं ने आवेदन किए थे और इस वर्ष अभी तक अर्थात सोमवार तक 390 आवेदन आ चुके हैं। ये आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

प्रत्येक कॉलेज में 30 प्रतिशत सीटें आरक्षित

जिले में पांच सरकारी एवं एक निजी कृषि कॉलेज है। चार वर्ष के कृषि स्नातक कोर्स में प्रत्येक वर्ष में छात्राओं के लिए 30 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। हर वर्ष लगभग 30 प्रतिशत (15-17 सीट) सीटें भर जाती हैं। कुम्हेर महाविद्यालय की बात करें तो यहां से गत वर्ष प्रत्सोहन राशि के लिए 57 छात्राओं ने आवेदन किए थे, जो इस बार आंकड़ा बढक़र 59 हो गया है।

जिले में इस योजना के तहत आवेदन करने वाली छात्राओं की सोमवार तक संख्या 390 पर पहुंच गई है। पिछले वर्ष यह आंकड़ा 381 का था। इसको देखकर लग रहा है कि कृषि शिक्षा के प्रति छात्राओं की रूचि बढने लगी है।

-देशराज सिंह, संयुक्त निदेशक, कृषि, संभाग भरतपुर

पिछले 15-20 वर्षों की तुलना में अब कृषि शिक्षा की ओर छात्राओं का रुझान बढने लगा है। वर्ष 1995 में 5-7 प्रतिशत और 2000 में 8-10 प्रतिशत सीटें ही भर पाती थी, जो अब पूरी अर्थात 30 प्रतिशत भर जाती हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो कभी खत्म नहीं होने वाला है। कृषि उद्योग धंधों में कृषि स्नातकों की जरूरत पड़ती है।

-उदयभान सिंह, डीन, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर

जागरूक खबरें

■ झाड़ोली से सिवेरा जाने वाली सड़क बनी जानलेवा

सिरोही @ जागरूक जनता। पिंडवाड़ा तहसील के झाड़ोली गाँव से सिवेरा जाने वाली सड़क मार्ग जगह जगह से काँच की तरह बिखरी हुई है। साथ ही इस सड़क पर पड़े भीषण गड्ढे वाहन चालकों के लिये दिनों दिन जानलेवा साबित हो रहे हैं। आये दिन वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं परन्तु लम्बे समय से खस्ता सड़क को ठीक करवाने की जहमत अभी तक किसी ने नही उठाई। ऐसे में सरकार में बैठे जिम्मेदार नेताओं और अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठना वाजिब है। आपको बता दे कि यह क्षेत्र की सबसे प्रमुख सड़क मार्ग के साथ व्यवस्तम मार्ग है जिस पर कॉलेज, विद्यालय, अस्पताल, पंचायत सहित कई राजकीय कार्यालय स्थित है ऐसे में आप सहज ही अनुमान लगा सकते है कि आम जन कितने विकट समस्याओं से जूझ रहें हैं। उसके बावजूद भी यहां से गुजरने वाले नेताओं और अधिकारियों को यह समस्या लम्बे समय से नही दिखी जिसको लेकर लोगो मे भी भारी आक्रोश व्याप्त है।

■ ऑनलाइन सिनेमा विशेष साहित्यिक महोत्सव आयोजित

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा सिनेमा के महत्व तथा उपयोगिता का अहसास लोगों को करवाने के उद्देश्य से ऑनलाइन सिनेमा विशेष साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका 'विषय - ऐच्छिक फिल्मी नाम' रखा गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया। जिन्होंने दिए गए विषय पर आधारित एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए और महोत्सव को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने बताया कि महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत साहित्य ज्योति' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। महोत्सव में कल्पना यादव, सीमा मोटवानी, दीप्ति शर्मा दीप रचनाकार उपस्थित रहे।

■ शांति देवी फाउंडेशन ने शुरू की पाठशाला एक पहल

जयपुर @ जागरूक जनता। शांति देवी फाउंडेशन एनजीओ की टीम द्वारा शहर के फुटपाथ पर रहने वाली लोगो के बच्चों को शिक्षा देने के लिए "पाठशाला -एक पहल" मुहिम की शुरुआत की गई है। फाउंडेशन के संस्थापक श्रावण शर्मा ने बताया कि जय क्लब सर्किल के पास सड़क किनारे रहने वाले लोगों के बच्चे जिन्होंने कभी स्कूल नहीं देखा और पढ़ना लिखना जिनका सपना ही रह जाता है, ऐसे बच्चों के लिए यह मुहिम की शुरुआत की गई है। धीरे-धीरे इस मुहिम को पूरे शहर में फेला कर हम ऐसे बच्चों को शिक्षा से जोड़ना चाहते हैं। इस मोके पर फाउंडेशन के संकल्प फैड्रिक, कुलदीप शर्मा, दिनेश सोनी और रितेश सोनी अन्य सदस्य मौजूद रहे।

18 साल तक के युवाओं की होंगी 32 निःशुल्क जांचें

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में 0 से 18 साल तक के शिशु, बच्चों और युवाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बड़ी पहल की है। इन बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ी करीब 32 प्रकार की जांचें निशुल्क होंगी, जिससे उनके स्वस्थ भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर जल्द ही यह योजना कोटा, बूंदी, सीकर और दौसा में प्रारंभ होगी।

राजस्थान में 0 से 18 वर्ष के बच्चों और युवाओं की संख्या ढाई करोड़ से अधिक है। इन सभी का यदि कम उम्र में ही स्वास्थ्य परीक्षण हो तो उन्हें भविष्य में होने वाली किसी भी बीमारी या संभावित स्वास्थ्य खतरे से बचाया जा सकता है। इसके लिए फिलहाल तीन अलग-अलग योजनाएं चल रही हैं, लेकिन उसके प्रभावी परिणाम नहीं आ रहे हैं। वहीं उन योजनाओं के माध्यम से सभी बच्चों तक भी नहीं पहुंचा जा रहा है। इसको दृष्टिगत रखते हुए स्पीकर ओम बिरला ने सभी योजनाओं को समेकित कर इसके लिए यह कार्ययोजना तैयार की है, जिसमें जमीनी स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों को भी सम्मिलित किया जाएगा। इस योजना के तहत नवजात शिशुओं, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा राजकीय विद्यालयों में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

योजना की तैयारियों को लेकर बैठक ली

योजना की तैयारियों को लेकर ओम बिरला ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण, अतिरिक्त सचिव मनोहर अगनानी, संयुक्त सचिव विशाल चौहान, डॉ. पी अशोक बाबू व लोकसभा के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ महाजन, कल्याण अधिकारी डॉ. सौरभ शर्मा के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए कार्य योजना इस प्रकार बनाई जाए कि हम अधिकतम बच्चों तक पहुंच कर उनकी जांच कर सकें।

जन्मजात बीमारियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण

शिविरों में बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के साथ उनके हृदय, कान, नाक, त्वचा, शारीरिक विकास में अवरोध के कारणों, गैर संक्रामक रोग, जन्मजात बीमारियों के साथ कई अन्य बीमारियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। परीक्षण बाद बच्चों का डिजिटल हेल्थ कार्ड बनाया जाएगा, जिसमें उनके परीक्षण संबंधी जानकारी अंकित होगी। कार्ड के जरिए चिकित्सक उनकी क्लिनिकल हिस्ट्री देख पाएंगे।

गंभीर रोगियों का होगा उपचार

आंगनबाड़ियों और विद्यालयों में स्वास्थ्य परीक्षण के आधार पर ऐसे बच्चों को चिह्नित किया जाएगा जो गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं। इन बच्चों का जिला अथवा प्रदेश स्तरीय अस्पताल में उपचार करवाया जाएगा। यदि राजस्थान के बाहर उपचार की आवश्यकता हुई तो उसकी भी निशुल्क व्यवस्था की जाएगी।

जल्द खुलेंगे जनता क्लिनिक, घर के पास मिलेगा इलाज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। शहर में भी जल्द जनता क्लिनिक खुलेंगे। इससे आमजन को घर के पास ही इलाज की सुविधा मिल सकेगी। चिकित्सा विभाग ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी है। विभाग की ओर से शहर में आठ जगहों पर जनता क्लिनिक खोलने के लिए जगह का चयन किया है। ये क्लिनिक फर्म के माध्यम से खोले जाएंगे। इसके टेंडर की प्रक्रिया चल रही है, जो एक-दो दिन में पूरी हो जाएगी। उसके बाद आमजन को जनता क्लिनिक खोलने की सौगात मिलेगी। कोटा में भी जल्द जनता क्लिनिक खुलेंगे। इससे आमजन को घर के पास ही इलाज की सुविधा मिल सकेगी। चिकित्सा विभाग ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी है। विभाग की ओर से शहर में आठ जगहों पर जनता क्लिनिक खोलने के लिए जगह का चयन किया है। ये क्लिनिक फर्म के माध्यम से खोले जाएंगे। इसके टेंडर की प्रक्रिया चल रही है, जो एक-दो दिन में पूरी हो जाएगी। उसके बाद आमजन को जनता क्लिनिक खोलने की सौगात मिलेगी। इसमें आमजन को दवाइयां फ्री मिलेगी और जांचों की सुविधा भी मिलेगी। अब तक यह देखा जा रहा है कि मुख्य हॉस्पिटल दूर होने के कारण मरीजों को लेकर लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। छोटी-छोटी बीमारियों के चलते वहां चिकित्सकों पर मरीजों का भार रहता है। इस क्लीनिक के खुलने से क्षेत्र के लोग आसानी से उपचार करवा पाएंगे। राज्य सरकार की 2019 की घोषणा के बावजूद कोटा में एक भी जनता क्लिनिक नहीं खुला सका था।

यह रहेगा स्टाफ

जनता क्लीनिक पर एक चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ ,एक फार्मासिस्ट व एएनएम नियुक्त किए जाएंगे। यहां पर 418 तरह की दवाएं और 15 प्रकार की जांच में मुफ्त होगी। इनमें प्राइमरी सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार, उल्टी-दस्त आदि बीमारियों का इलाज हो सकेगा। यह क्लिनिक क्षेत्रवासियों के लिए फायदेमंद साबित होगा। इससे अब यहां के लोगों को चिकित्सा सेवाओं के

ऑनलाइन होंगे मंडी व्यापारियों के लाइसेंस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। प्रदेश की कृषि उपज मंडी में लाइसेंस धारी कारोबारियों के रेकार्ड ऑनलाइन किए जाएंगे। ऑनलाइन रेकार्ड होने से उच्चाधिकारी महज एक क्लिक पर संबंधित मंडी व व्यापारी का रेकार्ड जांच कर सकेंगे। प्रशासन भी लाइसेंस संबंधी किसी भी प्रकार का विवाद होने पर पूरी जानकारी ले सकेगा। इससे यह पता चल जाएगा कि मंडी और मंडी परिसर के बाहर कितने लाइसेंस धारी है। जिससे मंडी के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। अच्छी बात है मंडी में कारोबार के इच्छुक व्यापारी ई मित्र के जरिए नए लाइसेंस के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जिससे नए कारोबारियों को लाइसेंस के लिए विभाग के चक्कर लगाने से निजात मिल जाएगी। साथ ही है कि सीकर मंडी के 610 लाइसेंस धारक, रसीदपुरा मंडी में 194 व्यापारियों ने लाइसेंस ले रखे हैं। लोसल मंडी में 135 लाइसेंस धारक है।

यह है मंशा

मंडी समितियों में आवंटन के बाद भी कई दुकानों में कारोबार नही होता है। कई लाइसेंस निलम्बित हो जाते हैं। जिससे संबंधित मंडियों का राजस्व प्रभावित होता है। निदेशालय की मंशा है कि मंडी समितियों में अच्छा कारोबार करने वाले ही व्यापारी रहे और मंडी समितियों में कारोबार करने वालों की हकीकत जानने के लिए व्यापारियों के लाइसेंस और सभी दस्तावेज ऑनलाइन किए जा रहे हैं।

एडीएम गितेश श्री मालवीय ने सेनेटरी इंस्पेक्टर के विरुद्ध कार्रवाई के दिए निर्देश

कैसे करें आराम, साँवलिया जी विश्रांति गृह के पीछे गंदगी के ढेर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ पर्यटन नगरी के रूप में विशेष पहचान रखता है। हाल ही उदयपुर में जी-20 सम्मेलन के बाद नव वर्ष के लिए हजारों की संख्या में पर्यटकों के चित्तौड़गढ़ आने की संभावना है। इनमें से बड़ी संख्या में पर्यटक साँवलिया जी के दर्शन भी करने जाएंगे। पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चित्तौड़गढ़ शहर में सांवलिया मंदिर मंडल द्वारा विश्रांति गृह संचालित किया जा रहा है। लेकिन विश्रांति गृह के आस-पास गंदगी के ढेर पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर गितेश श्री मालवीय ने बीते दिनों सांवलिया जी विश्रांति गृह क्षेत्र के आस-पास सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान विश्रांति गृह के पीछे गंदगी के ढेर लगे थे वहीं, कचरे के ढेर में गाय भी पॉलिथीन खाती नजर आई। इस पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ने नाराजगी प्रकट करते हुए आयुक्त नगर परिषद चित्तौड़गढ़ को क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुधारने और संबंधित सेनेटरी इंस्पेक्टर के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

भारतीय किसान संघ की दिल्ली में गर्जना रैली 19 को, 50 हजार किसान होंगे शामिल

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय किसान संघ की ओर से 19 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान सभा और गर्जन रैली का आयोजन होगा। इसमें देशभर से किसान आएंगे और राजस्थान से 50 हजार किसान पहुंचने का दावा है। लागत आधारित लाभकारी मूल्य, सिंचाई के लिए नदियों को जोड़ने के काम को गति देने सहित विभिन्न मांग शामिल है। भारतीय किसान संघ के प्रांत महामंत्री डॉ. सांवरमल सोलेट, संभाग प्रचार प्रमुख डॉ. लोकेश कुमार चंदेल ने बताया कि रैली में जयपुर, चित्तौड़गढ़ व जोधपुर प्रांत से किसान रेल, बस व निजी वाहनों से दिल्ली जाएंगे। प्रांत अध्यक्ष कालूराम बागडा ने बताया कि संघ न्यूनतम समर्थन मूल्य के बजाय फसलों के लागत आधारित लाभकारी मूल्य की मांग कर रहा है।

विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल ने मनाई गीता जयंती

खटकड़ @ जागरूक जनता। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल खंड खटकड़ ने संयुक्त रूप से गीता जयंती मनाई। इस अवसर पर सभी धर्मप्रेमी बंधुओं ने भूतेश्वर बावड़ी में हनुमान चालीसा पाठ किया तथा गीता जयंती को शौर्य दिवस के रूप में मनाया। खड संयोजक ग्राम समिति के अनुसार इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तजनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इससे पूर्व बावड़ी प्रांगण में एक कार्यक्रम में बच्चों ने खेल प्रतियोगिता आयोजित की जिसके बाद सभी ने सामूहिक मिलकर दालबाटी का आनन्द लिया।

निर्वाचन कार्यों में लापरवाही बरतने पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र आदर्श नगर के 4 बीएलओ निलंबित

जयपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय महत्व के निर्वाचन कार्यों में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के कारण 4 बीएलओ को राजस्थान सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण अपील नियम 1958 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी आदर्श नगर सिराज अली जैदी ने बताया कि इमरान कुरेशी कनिष्ठ सहायक कार्यालय रजिस्ट्रार सहकारी समिति जयपुर, जितेंद्र मीणा कनिष्ठ सहायक निदेशालय पशुपालन विभाग जयपुर, मनमोहन शर्मा कनिष्ठ सहायक उप निदेशक आयुर्वेद विभाग जयपुर एवं पंकज कुमार जाट कनिष्ठ सहायक नगर निगम ग्रेटर जयपुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।

परिचय सम्मेलन 8 को, पोस्टर विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत जयपुर महानगर की ओर से आठ जनवरी को प्रताप नगर सेक्टर 28 में परिचय सम्मेलन होगा। अध्यक्ष चंद्र प्रकाश खेतानी ने बताया कि इसके पोस्टर का विमोचन अमरापुर स्थान में स्वामी भगत प्रकाश ने किया। जय किशन, राकेश कृपलानी व छबल दास मोहन नानकानी, मीना व उषा वाधवा उपस्थित थे।

वार्षिकोत्सव 17 को

जयपुर @ जागरूक जनता। श्याम बस सेवा समिति, खाटूधाम की ओर से वार्षिकोत्सव तथा भजन रसगंगा कार्यक्रम 17 दिसंबर को चांदपोल बाजार स्थित रामचंद्र मंदिर में आयोजित होगा। चेतन अग्रवाल ने बताया कि काले हनुमान मंदिर के महंत गोपालदास, महंत अलबेली माधुरी शरण के सान्निध्य में शाम सात बजे से आयोजन की शुरुआत होगी। श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार कर 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी। सौरभ शमा व डॉ.मिताली नाग सहित अन्य श्याम भजनों की प्रस्तुति देंगे।

ब्राह्मण ना होते तो पूरे भारत को ईसाई बना देते-जेवियर

सभी धर्मों के ब्राह्मण दान पर निर्भर होते हैं!

यतेन्द्र पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

विश्व के प्रत्येक धर्म में ब्राह्मण होते हैं ! उनको अलग अलग नाम से जाना जाता है! ब्राह्मण सबसे ज्यादा सम्मान प्राप्त करते है ईसाइयों के पोप, पादरी, बिशप, मुस्लिम धर्म में मौलाना मौलवी होते हैं ! बौद्धों में बौद्ध भिक्षु कहलाते हैं! जापान कोरिया वाले राजा भी दलाई लामा के सामने झुकते है , अपने धर्म गुरु के सामने,वैसे ही अमेरिका का राष्ट्रपति भी अपने धर्म गुरु पादरी पोप के सामने झुकते है। प्रत्येक ब्राह्मण दान पर निर्भर होते है, कोई मौलाना मौलवी नौकरी नहीं करता दुकान नहीं चलाता, न कोई पादरी करता है, न कोई बौद्ध वाला, सब दान दक्षिण पर ही चलते है।

जो बात हिन्दू धर्म के ब्राह्मण को दूसरे से अलग करती है, वो है ज्ञान का स्तर 7 बाकी का ज्ञान केवल उनकी धार्मिक बातों तक सीमित होता है। बाकी सिर्फ एक किताब वाले है , हिन्दू धर्म वालों के पास पूरा पुस्तकालय है। हिन्दू धर्म का ब्राह्मण ज्ञानी इसलिए नहीं होता की वो ब्राह्मण है, वो ज्ञानी इसलिए होता है क्योंकि हिन्दू धर्म ही ज्ञान का महासागर है। अगर कोई वेदों को पढ़ता है, तो वो ब्राह्मण होने के साथ साथ गणितज्ञ, ज्योतिषी, डॉक्टर, योद्धा, वैज्ञानिक सब हो सकता है जैसे आयुर्वेद ऋग्वेद का एक उपवेद है , तो ऋग्वेद पढ़ने वाला ब्राह्मण एक चिकित्सक भी हो जाता है। ज्योतिष, यजुर्वेद का हिस्सा है तो यजुर्वेद पढ़ने वाला, गणित भी पढ़ता, एस्ट्रोनोमी भी पढ़ लेता है। धनुर्वेद, युद्धशास्त्र, यजुर्वेद का हिस्सा है इसलिए कोई ब्राह्मण युद्ध कौशल मे भी निपुण हो सकता है। संगीत की शिक्षा सामवेद मे है, तो सामवेद का ज्ञात अपने आप संगीत का ज्ञानी हो जाता है।

अगर कोई महाभारत पढ़ता है वो वो राजनीति मे कुशल हो जाता है , महाभारत से बड़ा राजनीति का ग्रंथ दुनिया मे कोई नहीं तो यही कारण है की हिन्दू धर्म का ब्राह्मण आल राउंडर होता है, हर क्षेत्र मे झंडे गाड़ने वाला होता है। दूसरे वालों को अपनी किताब के बाहर कुछ नहीं आता। एसे ग्रंथों के अध्ययन के कारण ब्राह्मण बौद्धिक रूप से बहुत आगे होता है दूसरे के मुकाबले और ब्राह्मण बुद्धिबल से देश की रक्षा सदियों से करता रहा है चाहे वो चाणक्य के रूप मे, विश्वनाथ भट्ट के रूप मे, बाजीराओ पेशवा के रूप मे, सावरकर के रूप मे, शंकराचार्य के रूप मे, बालगंगाधर तिलक, चंद्रशेखर आजाद के रूप में! इसलिए वो सबके निशाने पर भी होता है, मुगल अपने युद्ध की सफलता इस से नापते थे की कितने किलो जनेऊ इकट्ठे हुए अंग्रेजों, पूर्तगलियों के निशाने पर होते थे, इस्लामीक शासकों और फिरंगी फ्रांसिस जेवीयर ने कहा था, ब्राह्मण न होते तो मे पूरे भारत को ईसाई बना देता।

लॉर्ड मैकाले ने भी बहुत कोशिश की थी भारत देश में ब्राह्मण समाज को खत्म करने की। एक और बात समझने की है, हर धर्म पंथ रिलीजन से कनेक्ट होने का एक माध्यम भी ब्राह्मण होते है। बच्चे का जन्म हुआ आप चर्च, मस्जिद, मंदिर जायेगे वहा के पादरी, मौलाना, पंडित से जो भी करवाएंगे। विवाह हुआ तो भी उनकी उपस्थित मे करवाएंगे, मृत्यु हुई तो अंतिम क्रिया भी करवाएंगे। सोचिये की अगर ऐसा दुशप्रचार कर दिया जाए की, हर पादरी, मौलाना ठग है, ये लोग लूटते है , अंधविश्वास फैलाते है, भ्रष्ट है। तो क्या होगा ? धीरे धीरे इनके लोग फिर चर्च मस्जिद जाना बंद कर देंगे , शादिया फिर सिर्फ कोर्ट मे हो जाएंगी , मरने पर बॉडी ऐसे ही दिसपोज कर दी जाएगी और इस सबके कारण धीरे धीरे वो रिलीजन ही खत्म हो जाएगी। अब आप ये भी समझ गए होंगे की क्यों पंडितों, मंदिरों का इतना दुशप्रचार करवाया जाता है। इसी लिए जेएनयू मे ब्राह्मण भारत छोड़ो के नारे लगते है, किसान आंदोलन मे लगते है, caa के विरोध मे लगते है। और जहाँ मौका मिले वहा ब्राह्मण टारगेट किए जाते है और बहुत बड़ी फंडिंग आती है विदेशों से ये करने के लिए। जहाँ भी हिन्दू धर्म के ब्राह्मण की बात की है वो सब कर्म से ब्राह्मण लोगों की बात की है सिर्फ नाम वालों की नहीं। ब्राह्मण कोई सिर्फ जाती से नहीं हो जाता, ज्ञान, अध्यात्म और त्याग न हो तो वो ब्राह्मण नहीं होता। दासीपुत्र विदुर एक महापंडित ब्राह्मण थे, अर्थशास्त्र के जनक चाणक्य भी एक ब्राह्मण थे, वेदों के ज्ञाता महाकवि रविदास भी ब्राह्मण है, स्वामी विवेकन्द भी है। और अन्य ऐसे सैकड़ों अनगिनत ब्राह्मणों ने सनातन हिंदू धर्म और संस्कृति की मशाल को विपरीत परिस्थितियों में भी प्रज्वलित रखा।

(ये लेखक के अपने विचार है)

बेटे के वियोग में गीत बनाया, बन गया प्रेमियों का सबसे अमर गाना

हरिओम गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

साल था 1957। फ़िल्म "जनम जनम के फेरे" रिलीज हुई। यह म्यूज़िकल हिट साबित हुई। इस फ़िल्म के एक गाने "ज़रा सामने तो आओ छलिये" ने तो जैसे उस दौर में तहलका मचा दिया। यह गाना इतना सुपरहिट साबित हुआ कि उस साल की 'बिनाका गीत माला" का यह नम्बर 1 गीत बन गया।

इस गाने का अनोखा किस्सा है। इस गाने को लिखा था पंडित भरत व्यास ने। तो हुआ यों था कि पंडित भरत व्यास जी के एक बेटा था श्याम सुंदर व्यास! श्याम सुंदर बहुत संवेदनशील था। एक दिन भरत जी से किसी बात पर नाराज़ होकर बेटा श्याम सुंदर घर छोड़ कर चला गया।

भरत जी ने उसे लाख ढूंढा। रेडियो और अख़बार में विज्ञापन दिया। गली गली दीवारों पर पोस्टर चिपकाए। धरती, आकाश और पाताल सब एक कर दिया।ज्योतिषियों, नजूमियों से पूछा। मज़ारों, गुरद्वारे, चर्च और मंदिरों में मत्था टेका। लेकिन वो नहीं मिला। ज़मीन खा गई या आसमां निगल गया। आख़िर हो कहां पुत्र? तेरी सारी इच्छाएं और हसरतें सर आंखों पर। तू लौट तो आ। बहुत निराश हो गए भरत व्यास।

उस समय भरत व्यास जी कैरियर के बेहतरीन दौर से गुज़र रहे थे। ऐसे में बेटे के अचानक चले जाने से ज़िंदगी ठहर सी गई। किसी काम में मन नहीं लगता। निराशा से भरे ऐसे दौर में एक निर्माता भरत जी से मिलने आया और उन्हें अपनी फिल्म में गाने लिखने के लिए निवेदन किया। भरत जी ने पुत्र वियोग में उस निर्माता को अपने घर से निकल जाने को कह दिया ।

लेकिन उसी समय भरत जी की धर्मपत्नी वहां आ गई । उन्होंने उस निर्माता से क्षमा मांगते हुए यह निवेदन किया कि वह अगले दिन सुबह पुनः भरत जी से मिलने आए। निर्माता मान गए। इसके पश्चात उनकी

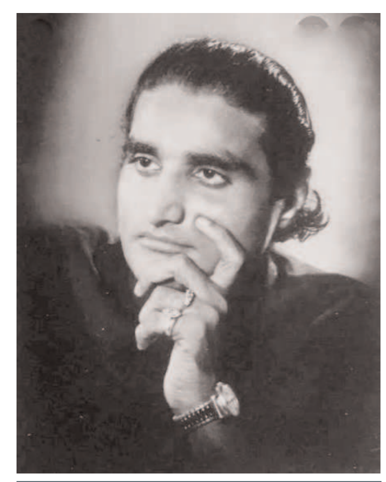

6 जनवरी के लिये विशेष

धर्मपत्नी में भरत जी से यह निवेदन किया की पुत्र की याद में ही सही उन्हें इस फिल्म के गीत अवश्य लिखना चाहिए । ना मालूम क्या हुआ कि पंडित भरत व्यास ने अपनी धर्मपत्नी कि इस आग्रह को स्वीकार करते हुए गाने लिखना स्वीकार कर लिया। उन्होंने गीत लिखा - "ज़रा सामने तो आओ छलिये, छुप-छुप छलने में क्या राज़ है, यूँ छुप न सकेगा परमात्मा, मेरी आत्मा की यह आवाज़ है. " । इसे 'जन्म जन्म के फेरे' (1957) फ़िल्म में शामिल किया गया। रफ़ी और लता जी ने इसे बड़ी तबियत से , दर्द भरे गले से गाया था। बहुत मशहूर हुआ यह गीत। लेकिन अफ़सोस कि बेटा फिर भी न लौटा। मगर व्यासजी ने हिम्मत नहीं हारी। फ़िल्म 'रानी रूपमती' (1959) में उन्होंने एक और दर्द भरा गीत लिखा - "आ लौट के आजा मेरे मीत, तुझे मेरे गीत बुलाते हैं, मेरा सूना पड़ा ये संगीत तुझे मेरे गीत बुलाते हैं"। इस गीत में भी बहुत दर्द था, और कशिश थी। इस बार व्यास जी की दुआ काम कर गई। बेटा घर लौट आया।

लेकिन आश्चर्य देखिये कि वियोग के यह गाने उस दौर के युवा प्रेमियों के सर चढ़कर बोलते थे । यह पंडित व्यास जी की कलम का ही जादू था । पंडित भरत व्यास राजस्थान के चुरू इलाके से 1943 में पहले पूना आये और फिर बंबई। बहुत संघर्ष किया। बेशुमार सुपर हिट गीत लिखे। हिंदी सिनेमा को उनकी देन का कोई मुक़ाबला नहीं। एक से बढ़ कर एक बढ़िया गीत उनकी कलम से निकले।

आधा है चंद्रमा रात आधी, तू छुपी है कहां मैं तपड़ता यहां (नवरंग) निर्बल से लड़ाई बलवान की, यह कहानी है दिए की और तूफ़ान की। (तूफ़ान और दिया)। सारंगा तेरी याद में (सारंगा) तुम गगन के चंद्रमा हो मैं धरा की धूल हूं.ज (सती सावित्री) ज्योत से ज्योत जलाते चलो. (संत ज्ञानेश्वर) हरी भरी वसुंधरा पे नीला नीला यह गगन, यह कौन चित्रकार है. (बूँद जो बन गई मोती) ऐ मालिक तेरे बंदे हम.सैयां झूठों का बड़ा सरताज़ निकला (दो आंखें बारह हाथ) दीप जल रहा मगर रोशनी कहां (अंधेर नगरी चौपट राजा) दिल का खिलौना हाय टूट गया.कह दो कोई न करे यहां प्यार तेरे सुर और मेरे गीत. (गूँज उठी शहनाई)

क़ैद में है बुलबुल, सैय्याद मुस्कुराये (बेदर्द ज़माना क्या जाने?) आदि। यह अमर नग्मे आज भी गुनगुनाए जाते हैं। गोल्डन इरा के शौकीनों के अल्बम इन गानों के बिना अधूरे हैं।

व्यास जी का यह गीत - ऐ मालिक तेरे बंदे हम। महाराष्ट्र के कई स्कूलों में सालों तक सुबह की प्रार्थना सभाओं का गीत बना रहा। पचास का दशक भरत व्यास के फ़िल्मी जीवन का सर्वश्रेष्ठ दौर था।आज यह सारी बातें इसलिए क्योंकि 6 जनवरी को भरत व्यासजी की जन्म जयंती है ! पंडित भरत व्यास जी का जन्म 6 जनवरी,1918 को बीकानेर में हुआ था। वे जाति से पुष्करणा ब्राह्मण थे। वे मूल रूप से चूरू के थे। बचपन से ही इनमें कवि प्रतिभा देखने लगी थी। मजबूत कद काठी के धनी भरत व्यास डूंगर कॉलेज बीकानेर में अध्ययन के दौरान वॉलीबॉल टीम के कप्तान भी रह चुके थे। बीकानेर के की महान विभूति को शत् शत् नमन।

(लेखक बीकानेर से है, ये उनके अपने विचार है।)

जागरूक खबरें

बाजिया बने सहकारी अध्यक्ष

सीकर @ जागरूक जनता। ग्राम पंचायत बावड़ी में ग्राम सेवा सहकारी समिति बावड़ी के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के लिए चुनाव संपन्न हुए। जिसमें शिशपाल सिंह बाजिया अध्यक्ष व सरदार मल को उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। वही बनवारी मील, सागरमल पांवडा, उर्मिला, अनीता, राजवीर सिंह, रणवीर घटाला, सागर बाजिया, मूलचंद सोनी, बेनाराम, सुभाष सदस्य पद पर चुने गए। इस मौके पर बावड़ी सरपंच प्रतिनिधि कैलाश बाजिया, राजेन्द्र घटाला, छितर मिल सीताराम रोज़, बन्नाराम मिल, सीताराम बाजिया, पोखरमल बाजिया, पूर्व सरपंच गोपाल बाजिया, भागीरथ सबल, मोहन सबल, जगदीश भावरिया एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा निर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष एवं सदस्यों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 31 तक बीमा करायें किसान

जैसलमेर @ जागरूक जनता। रबी 2022-2023 के लिए राज्य सरकार स्तर से फसलों का बीमा किये जाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का नोटिफिकेशन जारी किया गया हैं। रबी फसल का बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर, 2022 है। जिला कलक्टर टीना डाबी ने जिले के समस्त किसानों से आग्रह किया हैं कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों के अनुसार अधिकाधिक संख्या में अपनी रबी फसलों का बीमा करवा कर लाभ उठावें। उपनिदेशक कृषि विस्तार राधेश्याम नारवाल ने बताया कि रबी फसल के तहत जिले में गेहूँ, सरसों, चना, जीरा, तारामीरा तथा ईशबगोल अधिसूचित की गई है। योजना में जिले के लिए एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंश कंपनी लिमिटेड को अधिकृत किया गया है। जिसके टोल-फ्री नम्बर 18002660700 है।

नवीन पंचायत भवन का सांसद दीया कुमारी ने किया उद्घाटन

राजसमंद @ जागरूक जनता। सांसद दीया कुमारी ने संसदीय क्षेत्र की जैतारण विधानसभा के ग्राम पंचायत अमरपुरा में नवीन पंचायत भवन का उद्घाटन किया। पंचायत भवन, सड़क व विद्यालय संबंधी स्वीकृत कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद दीया कुमारी ने कहा की आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र का विकसित और आत्मनिर्भर होना अत्यन्त आवश्यक है। स्वीकृत कार्यों से ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं का समाधान होगा, वहीं उन्हें ग्रामीण क्षेत्र की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद भी मिलेगी।

आंगनवाडी कार्यकर्ता 16 को जयपुर में करेगी शक्ति प्रदर्शन

सिरोही @ जागरूक जनता। राजस्थान आंगनवाड़ी कर्मचारी महासंघ के बैनर तले आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 16 दिसंबर 2022 को जयपुर में शक्ति प्रदर्शन करेंगी । भामसं के वरिष्ठ कर्मचारी नेता गोपालसिंह राव ने बताया कि आंगनवाड़ी में काम करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा, सहयोगिनी एवं ग्राम साथिनों में विभिन्न समस्याओं को लेकर भयंकर रोष व्याप्त है ।आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपने रोष का प्रकटीकरण जिला मुख्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन तथा रैली निकालकर जताया ।लेकिन राजस्थान सरकार की शिथिल और लचर शैली से संगठन की समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। सरकार का पूरा ध्यान आकृष्ट करने के लिए आंगनवाड़ी संघ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती इंदु बाला चौहान तथा महामंत्री राधा शर्मा के नेतृत्व में सिविल लाइन फाटक पर 16 दिसंबर को विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा ।

हाथों में तिरंगें लिए युवाओं ने लगाए स्वामी विवेकानंद के जयकारे

बाड़मेर @ जागरूक जनता। विवेकानंद संदेश यात्रा की श्रृंखला में मंगलवार को रन फॉर विवेकानंद का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों युवा व मातृशक्ति ने हिस्सा लिया। रन फॉल विवेकानंद को शहर के गांधी चौक से उपखण्ड अधिकारी समुन्द्र सिंह भाटी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह जेतावत ने झंडी दिखाई। रन फॉर विवेकानंद शहर के गांधी चौक, मुख्य बाजार, अहिंसा सर्किल, किसान छात्रावास होते हुए विवेकानंद सर्किल पहुंची। रन फॉर विवेकानंद में उपपुलिस अधीक्षक आनंद सिंह राजपुरोहित, चौहटन प्रधान रूपाराम सारण, विवेकानंद संदेश यात्रा संयोजक प्रदीप राठी, सहसंयोजक रघुवीरसिंह तामलोर, अनीता चौहान, कमलसिंह राणीगांव, विजेन्द्र गोदारा व प्रवीण सिंह साथ रहे।

वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूज़िक फेस्टिवल 16,17 व 18 दिसंबर को, फरहान अख़्तर सहित, देश-विदेश के 100 से अधिक कलाकार आयेंगे

हिन्दुस्तान जिंक के प्रायोजन से होगा संगीत के छठें महाकुंभ का आयोजन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। पूरब का वेनिस कहलाने वाला उदयपुर देश में संगीत के महाकुंभ के छठें संस्करण वेदांता वर्ल्ड म्यूज़िक फेस्टिवल के साथ जीवंत हो उठेगा। हिंदुस्तान जिंक द्वारा प्रायोजित किये जा रहे इस अंतर्राष्ट्रीय संगीत समारोह की संकल्पना और प्रोडक्शन सहर एवं सहयोग राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने किया है। इस तीन दिवसीय फेस्टिवल का आयोजन 16, 17 और 18 दिसंबर को किया जाएगा।

वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल 2022 का अंतर्निहित विषय "राजस्थान के भूले हुए संगीत वाद्ययंत्रों और परंपराओं का संरक्षण और प्रचार" है, जहां उत्सव सारंगी की प्रस्तुती पर केंद्रित होगा, जिससे युवा पीढ़ी इस ओर आकर्षित और इसके सरंक्षण के लिये प्रेरित हो सके। सारंगी यूनेस्को द्वारा संरक्षित संगीत परंपरा है। कर्टेन रेजर के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि, वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल का यह संस्करण खास है क्योंकि कोविड महामारी के बाद यह भव्य आयोजन होगा। यह देश में लोगों के सौहार्द का उत्सव है और इसके लिए संगीत से बेहतर तरीका नही हो सकता है। हम इस उत्सव के माध्यम से राजस्थान पर्यटन विभाग और सहर के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को जारी रखते हुए प्रसन्न हैं। हिंदुस्तान जिंक और वेदांता ने हमेशा कला और संस्कृति को प्रोत्साहित और सहयोग दिया है। इस मंच के माध्यम से हमारा उद्देश्य उदयपुर को भारत की संगीतमय राजधानी बनाना है और यह उसी दिशा में एक और कदम है। गांधी ग्राउण्ड और फतहसागर की पाल पर होने वाला यह म्यूज़िक फेस्टिवल संगीत की विभिन्न श्रेणियों के 100 से भी अधिक वैश्विक कलाकारों को साथ लाएगा। उत्सव के पहले दिन कार्यक्रम का आगाज़ शाम 6 बजे से गांधी मैदान में कई प्रसिद्ध कलाकारों के साथ सारंगी की प्रस्तुती से होगा। लोक परंपरा को और आगे बढाते हुए, भारत के जसलीन औलख, परवाज जैसे प्रसिद्ध गायक लोक, सूफी और रॉक और विश्व संगीत की शैलियों में प्रस्तुति देंगे। सुरमयी रात के साथ कोलंबिया, चिली, पनामा, पैराग्वे के लैटिन लोक और पॉप संगीत बैंड अबकोराव के संगीत का भी गवाह बनेगा। अंतिम प्रस्तुती दम लगा के हईशा, सुल्तान और संजू के प्रसिद्ध गायक पापोन के गीतों से होगा।

उत्सव के दूसरे दिन जाने-माने वायलिन वादक नंदिनी शंकर, ब्रूनो लोई और जोनाथन डेला मारियाना जैसे कलाकार मेजबानी करेंगे।

महिलाएं के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता पर संगोष्ठी आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चंडीगढ़। आईपीएस 6वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी वीमेन एंड मेन्टल हेल्थ एंड पेरिनेटल साइकाइट्री टास्क फोर्स दो दिवसीय 'परिवर्तन' और मानसिक स्वास्थ्य विभाग, जीएमसीएच-32, चंडीगढ़ के सहयोग से महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता" विषय पर आयोजित की। संगोष्ठी का पहला दिन देश भर के डॉक्टरों के शोध पत्र और पोस्टर प्रस्तुतियों के साथ आयोजित किया गया था। कार्यऋ म के दूसरे दिन का उद्घाटन जीएमसीएच-32 की डायरेक्टर प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. जसबिंदर कौर एवं क्षेत्र के कई अन्य दिग्गजों ने किया। प्रो. डॉ. जसबिंदर कौर ने कहा कि हार्मोन और सामाजिक कारकों के कारण महिलाएं मानसिक बीमारियों से अधिक पीड़ित होती हैं। जीएमसीएच-32 के मानसिक स्वास्थ्य विभाग की हेड ऑफ़ डिपार्टमेंट प्रो. डॉ. प्रीति अरुण ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। डॉ. विनय कुमार-आईपीएस प्रेसिडेंट इलेक्ट, डॉ. सोनिया परियल-प्रेसिडेंट, पेरिनेटल साइकाइट्री टास्क फोर्स और डॉ. शर्मिष्ठा चऋ वर्ती- प्रेसिडेंट, महिला मानसिक स्वास्थ्य स्पेशलिटी सेक्शन, डॉ. अरबिंदा ब्रह्मा-सेक्रेटरी जनरल, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी और डॉ. ओपी सिंह -संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री ने भी सभा को संबोधित किया। विपरीत परिस्थितियों में असाधारण सामर्थ्य के लिए डॉ. सुखदा अभिराम और डॉ. चांदनी को रेजिलिएंस अवार्ड्स से सम्मानित किया गया ।

संगोष्ठी में प्रख्यात वक्ता डॉ. प्रभा चंद्रा, डॉ. हेनल शाह, डॉ. सीमा परीजा और डॉ. शोभित गर्ग शामिल हुए, जिन्होंने बच्चों के संज्ञानात्मक, व्यवहारिक, सामाजिक और भावनात्मक सुधार के लिए माता-पिता के पेरेंटिंग स्किल प्रोग्राम जैसे विषयों पर चर्चा की। सत्र के दूसरे भाग में डॉ निस्का सिन्हा द्वारा "मिसेंड्राई सेम एज मिसोग्नि" विषय पर एक दिलचस्प वाद-अनुवाद किया गया।

डॉ जगजोत सिंह, डॉ. सोनिया पारियल और डॉ. शर्मिष्ठा चक्रवर्ती ने विभिन्न प्रक्रियाओं जैसे अनुभूति, चिंता, शरीर का तापमान, भोजन और यौन व्यवहार पर एस्ट्रोजेन की महत्वपूर्ण नियामक कार्य की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को प्रबुद्ध किया। डॉ. स्वप्नजीत साहू ने साइकोपैथोलॉजी और साइकोसोशल स्ट्रेसर्स के कारण महिलाओं के आत्मघाती व्यवहार व् लैंगिक भेदभाव के बारे में बात की। चेयरपर्सन डॉ. शशि राय, डॉ. नितिन गुप्ता, डॉ. नीरू बाला, डॉ. निधि चौहान, डॉ. अजीत सिदाना, डॉ. रजनी चटर्जी, डॉ. सचिन कौशिक, डॉ. रुखशेदा सैयदा, डॉ. अपराजिता लोबाना, डॉ. अनीता गौतम, डॉ. सविता मल्होत्रा और गुनिंदर मोहिनी लांबा ने महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य के विभिन पहलुओं पर अपनी अंतर्दृष्टि दी। संगोष्ठी में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमे प्रतिभागियों ने अपने-अपने दृष्टिकोण व्यक्त किये और समान रूप से सराहा।

भारत जोड़ो यात्रा

अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष इम्तियाज ने की राहुल से मुलाकात

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष आबीद कागजी व राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत की अनुशंषा पर जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग चित्तौड़गढ़ जिलाध्यक्ष इम्तियाज हुसैन लौहार को भारत जोड़ो यात्रा के सफल क्रियान्वयन के लिए झालावाड़ जिले का प्रभारी बनाये जाने पर लगातार अपनी सेवाएँ देते हुए अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष भारत जोड़ो यात्रा में सम्मिलित रहे।

6-7 दिनों से अपनी सेवाएँ देने के दौरान 40 से 50 किमी की यात्रा में कोटा जिले में प्रवेश के दौरान जिलाध्यक्ष लौहार को राहुल गांधी से मुलाकात करने के मिले अवसर पर चित्तौड़गढ़ में अल्पसंख्यक कांग्रेस के बेनर तले जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर हुए 453 यूनिट के ऐतिहासिक ब्लड डोनेशन की जानकारी दी जिस पर राहुल गाँधी ने धन्यवाद दिया। जिलाध्यक्ष इम्तियाज हुसैन ने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा कक्षा 1 से 8वीं तक के अल्पसंख्यक वर्ग की छात्रवृत्ति बंद किये जाने पर चर्चा करते हुए इस मुद्दे को संसद में उठाते हुए दबाव बना कर अल्पसंख्यक हितार्थ कार्यवाही की मांग की।

ऑल इंडिया जैन कटारिया फाउंडेशन के पांचवे सम्मेलन का शुभारंभ

ललित बने ऑल इंडिया जैन कटारिया फाउंडेशन के अध्यक्ष

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। श्री जीरावला पार्श्वनाथ जैन तीर्थ की पावन धरा पर ऑल इंडिया जैन कटारिया फाउंडेशन का पांचवा राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ जिसमें देश के कई हिस्से से जैन समुदाय से आये लोगो ने शिरकत कर सम्मेलन कि शोभा बढ़ाई। आयोजित कार्यक्रम में भाजपा सरकार में गृह मंत्री रहें गुलाब चंद कटारिया भी बतौर अथिति पहुँचे। गौरतलब है कि सम्मेलन के लाभार्थी संघवी शा. केवलचंद भीकमचंद कटारिया ललित कटारिया शांतिलाल, सतीश, प्रवीण, प्रदीप, सन्तोष, चेतन, गौरव, म्यांक एवं समस्त कटारिया परिवार का अहम योगदान रहा।

वही आपको बता दे कि इस सम्मेलन में कटारिया जैन समाज के लोगो ने भारी संख्या में पहुंचकर सम्मेलन में चार चांद लगा दिये। दरअसल आज सम्मेलन में ललित कटारिया को फाउंडेशन के नवीन अध्यक्ष नियुक्त किया...उन्होंने ने बताया कि में फाउंडेशन को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिये हर सम्भव प्रयास करके कटारिया फाउंडेशन को नये आयामो को हासिल करके प्रगति के मार्ग पर निरंतर अग्रसर हो वो तमाम प्रयास करेंगे।आयोजित कार्यक्रम में टीवी के डायरेक्टर गौतम सिंघवी भी मौजूद रहें और नवनियुक्त अध्यक्ष को हार्दिक शुभकामनाएं दी। पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन ओजस्वी तेजस्वी संचालक ओम आचार्य ने किया।

जिंक नगर में इंटर ज़िंक क्रिकेट टूर्नामेंट में हुए टेनिस बॉल के सेमीफाइनल मैच

फाइनल मैच सीएससी पैंथर्स और सीएससी ग्लैडिएटर एवं एसएस और वामन के बीच होगें

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर द्वारा ज़िंक नगर में आयोजित इंटर ज़िंक टूर्नामेंट में टेनिस टूर्नामेंट में सीएससी पैंथर्स ने सीएससी टाइगर्स को 82 पे ऑल आउट किआ और फाइनल में प्रवेश किया। मयंक शर्मा और कप्तान इंद्रजीत ने 27 रनो की नाबाद पारी खेली। सीएससी ग्लैडिएटर ने 110 रन का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में सीएससी रॉयल 109 रन ही बना पाया, जितेंद्र पारीक ने 4 विकेट लिए। बिजनेस पार्टनर के बीच लीग मैच में एसएस ने यूरोस्माइल को 4 विकेट से हरा के फाइनल में प्रवेश किया वही वामन ने कंपास को 35 रन से हरा के फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में सीएससी ग्लैडिएटर ने सीएससी रॉयल्स को 1 रन से हरा के फाइनल में प्रवेश किया। यूरोस्माइल और एस एस के बीच खेले गये मैच में रोशन प्लेयर ऑफ द मैच रहे, उन्होंने 9 गेंदो में 14 रन बनाएं वहीं 4 ओवर में बेहतरीन बॉलिंग करते हुए एक मेडन ऑवर, 14 रन देकर 3 विकेट झटकें। एसएस की ओर से मुकेश तेली ने 28 गेंदो में 32 रन बनाए। राहुल दमामी ने 2 ओवर 3 बॉल में 4 रन देते हुए 3 विकेट लिये। यूरोस्माइल की ओर से अंकित ने 23 गेंदो में 18 रन बनाएं, वहीं शंकर गोस्वामी ने 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट चटकाएं।यूरोस्माइल ने एसएस को 66 रनो का लक्ष्य दिया जिसे एसएस ने 6 विकेट खोकर पूरा कर लिया। वामन और कम्पास के बीच खेले गए मैच में वामन ने 112 रन का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में कम्पास की पुरी टीम 77 रन पर आउट हो गयी। बेस्ट प्लेयर ऑफ द मैच वामन के शंकर को दिया गया जिन्होंने 26 गेंदो में 34 रन बनाएं वहीं 3 ओवर 5 गेंदो में 24 रन देकर 4 विकेट लिये। वामन के स्कोर में भरत शर्मा के 16 रन और लकी मेनारिया के 4 ओवर में 3 विकेट का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। लोकेशन हेड दीपक सोपोरी, आयोजन समिति के अध्यक्ष यूनिट वन इकाई प्रधान कमोद सिंह, हेड एचआर अनूप कुमार, ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति के तरुण सोबेला, इंद्रजीत सिंह भाटी, नरेन्द्र गहलोत, पुष्कर सिदारा, विमल पण्ड्या, विजय राव, पीएस राठौड एवं दिलीप सिंह सिसोदिया ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

भाजपा की जीत पर किया हर्ष व्यक्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक व प्रचंड जीत पर भाजपा शहर मंडल केकड़ी के कार्यकर्ताओं द्वारा आज अजमेरी गेट स्थित तीन बत्ती चौराहा पर आतिशबाजी कर जश्न मनाया व एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। भाजपा नेता राजेंद्र विनायका व विधानसभा प्रभारी इंदु शेखर ने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव के परिणाम बहुत ही ऐतिहासिक है तथा केन्द्र की मोदी सरकार की विकासवादी सोच व जनकल्याणकारी योजनाओं तथा राष्ट्र हित मे लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों पर जनता ने मोहर लगाई है तथा यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आने वाले राजस्थान के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा की बहुमत की सरकार बनने वाली हैं। इस अवसर पर पंचायत समिति प्रधान होनहार सिंह राठौड़, महामंत्री रामबाबू सागरिया, किसान मोर्चा जिला मंत्री धनराज चौधरी, एससी मोर्चा जिला महामंत्री धनराज नायक, अजमेर जिला देहात जन आक्रोश यात्रा आईटी प्रमुख महेश बोयत, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र चौधरी, पूर्व प्रधान भूपेंद्र सिंह शक्तावत, मंडल उपाध्यक्ष महावीर साहू, जिला क्षैक्षिक सहसंयोजक रोहित जांगिड़,विधी प्रकोष्ठ संयोजक घनश्याम वैष्णव, पार्षद कैलाश चौधरी, पूर्व पार्षद धनराज कच्छावा, प्रीतम जैन, श्याम सुंदर शास्त्री, संजय बेनीवाल,रशीद शेख,हरिश गोपलान, शंकर धाकड़,आईटी प्रमुख रोहन राठी, पंचायत प्रकोष्ठ संयोजक विनोद गोठलवाल, बंटी माली आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गहलोत की उच्चैन में विशाल जनसभा 25 को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नदबई। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष और नदबई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना ने सरकार और अपने कार्य काल के 4 साल पूर्ण होने पर केक काट कर 4 साल बेमिसाल के रूप में कार्यकर्ता मिलन समारोह मनाया। जिसने प.स. उच्चैन प्रधान हिमांशु अवाना सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता व सभी समाज के लोग एकत्रित हुए सभी ने नवीन नदबई अकल्पनीय उच्चैन का नारा लगाते हुए विधायक का माला सफ़ा व चाँदी का मुकुट पहना स्वागत किया। विधायक ने कहा कि में जब से यहाँ विधायक बना हूँ तब से विकास में कोइ कमी नही आने दी। मुख्यमंत्री ने नदबई विधानसभा को बहुत कुछ दिया है। उच्चैन पहले मात्र एक ग्राम पंचायत थी आज वहाँ पर मुख्यमंत्री की विशेष कृपा से वही ग्राम पंचायत आज पंचायत समिति, नगर पालिका तहसील सहित 32 सरकारी कार्यालय खुल गये है। जिनका शिलान्यास करने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 25 दिसम्बर को आ रहे है। हमें उनकी विशाल जन सभा को एहतिहासिक बनाना है। गहलोत साहब के करिश्माई नेतृत्व में नदबई विधानसभा के अदभुत-अविश्वसनीय अकल्पनिक विकास एवं आमूलचूल परिवर्तन के 4 साल सच में बेमिसाल निकले है और अभी 1 साल बचा है और विकास के लिए धन की कोई कमी नही है इस मौक़े पर उच्चैन नगरपालिका चैयरमैन विमला रजौरा, नदबई नगरपालिका चैयरमैन प्रतिनिधि दिलीप सिनसिनवार, सरपंच संघ अध्यक्ष महेंद्र खुड़ासा, हरप्रशाद सरपंच, cbeo गजेंद्र सिंह गुर्जर, बलबीर सिंह पूर्व उपप्रधान, जसवीर सिंह, पूर्वप्रधान विजयपाल, हरस्वरूप सरपंच, pcc सदस्य धर्मेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ANCHOR | **जन आक्रोश यात्रा**

कांग्रेस सरकार के कुशासन से प्रत्येक वर्ग पीड़ित-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूँ। भाजपा की जन आक्रोश यात्रा विधानसभा क्षेत्र चौमूँ में ग्राम पंचायत आलीसर के भूधरदास मंदिर से शुरू हुई। इसके बाद जन आक्रोश यात्रा सान्दरसर, सीतारामपुरा, मलिकपुर, नृसिंगपुरा, लोहरवाड़ा, अंतपुरा चिमनपुरा तथा वार्ड 1 और वार्ड 2 चौमूँ में पहुँची। जन आक्रोश यात्रा के रथ के साथ विधायक रामलाल शर्मा, यात्रा प्रभारी मंजू शर्मा, प्रधान रामस्वरूप यादव, पूर्व प्रधान महेश मीणा, मंडल अध्यक्ष सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने आमजन से जनसम्पर्क कर कांग्रेस सरकार की खामियों को गिनाया। जन आक्रोश यात्रा में वक्ताओं ने कांग्रेस सरकार के कुशासन को लेकर जमकर घेरा। विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर प्रचार किया। विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के राज में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में 2 गुना वृद्धि हुई है, बलात्कार के मामलों में प्रदेश देश में नंबर वन बन चुका है, कांग्रेस की सरकार ने भ्रष्टाचार के मामलों में राजस्थान को नंबर वन पर ला दिया है, सरकार ने सत्ता पाते ही कर्ज माफी का वादा, बेरोजगारी भत्ता और युवाओं को रोजगार का वादा, संविदा कर्मियों को नियमितीकरण का वादा भी भूल चुकी है। आज सरकार से युवा, किसान, आमजन, कर्मचारी सहित प्रत्येक वर्ग के लोग पीड़ित, शोषित और परेशान है। विधानसभा क्षेत्र चौमू में जनता द्वारा जन आक्रोश यात्रा के रथ को भरपूर समर्थन मिल रहा है और लोग सरकार के खिलाफ आक्रोशित हैं। इस मौके पर जनाक्रोश यात्रा प्रभारी मंजू देवी शर्मा, प्रधान रामस्वरूप यादव, पूर्व प्रधान महेश मीणा, भाजपा कालाडेरा मंडल अध्यक्ष बनवारी शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष गजानन्द कुमावत, गोविंदगढ़ अध्यक्ष साधुराम गुर्जर, पंचायत समिति सदस्य लालचंद यादव, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि ओमप्रकाश दुसाद, पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, गुलाब लाम्बा, आलोक जांगिड़, सरपंच गौरीशंकर नेतड, पूर्व सरपंच जगदीश यादव, कमल सिंह, सरपंच बाबूलाल गुर्जर, सरपंच बद्रीप्रसाद यादव, सरपंच प्रभुनारायण यादव, सरपंच रमेश शर्मा, अर्जुन यादव, मुकेश चोपड़ा, पूर्व सरपंच बलवीर शर्मा, बाबुलाल जड़वाल, सांवरमल यादव, बाघसिंह, कर्ण सिंह, कजोड़मल, गिरधारी यादव, महावीर सिंह, छोगाराम यादव, ऋुराज यादव, वीरेन्द्र सिंह, बाबूलाल बगवाडिया, रिशपाल कुमावत, दिनेश कुमावत, पार्षद बाबूलाल सैनी, बाबुलाल यादव, मनोज कुमावत, अजित बारावाल, रतन कुमावत रामस्वरूप डागर, राजू कुमावत, सरवन बागड़ा, मंगलचंद बागड़ा, आत्माराम सेन, मूलचंद नरूका, महावीर सिंह नाथावत, रघुवीर शर्मा, गोपाल केसवा, बोदूराम कनिनवाल, सुभाष शर्मा, हनुमान मेहता, शिंभू राम, राजू खोल्ड्या, राम सिंह, गणपत निठारवाल, बहादुर निठारवाल, रवि कुमार, मालीराम, सुरेश, ओमप्रकाश, नंदलाल कुमावत, नानूराम सैनी, बलदेव टांक, विनोद गोदारा, संदीप शर्मा, महेश जांगिड़, मुकुल अग्रवाल, नितिन खंडेलवाल, अर्पित तंवर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

श्री श्याम सेवा परिवार की नई कार्यकारिणी गठित

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। श्री श्याम सेवा परिवार की बैठक सत्यनारायण मंदिर धर्मशाला में संपन्न हुई। बैठक में सर्व सहमति से नई कार्यकारिणी गठित की गई जिसमें अनिल धमीजा अध्यक्ष, लक्की छाबड़ा कोषाध्यक्ष, नवदीप अग्रवाल सचिव, गगन मित्तल उपाध्यक्ष, मनीष धीगड़ा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ऋषभ बत्रा संयुक्त सचिव युवराज तुतलानी प्रचार मंत्री, कमल मिड्ढा मीडिया प्रभारी सर्व सहमति से बनाया गया बैठक में मौजूद सदस्यों ने विचार-विमर्श कर सर्व सहमति से कार्यकारिणी गठित की। बैठक में 4 मार्च को फागुन महोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

जागरूक खबरें

■ भारत-बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट की सीरीज आज से

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारत-बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट की सीरीज 14 दिसंबर से शुरू हो रही है। दोनों मुकाबले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के हिसाब भारत के लिए बहुत अहम हैं। वनडे सीरीज में 2-1 से हार के बाद टीम इंडिया अटैकिंग अप्रोच अपनाएगी और टेस्ट सीरीज जीतकर बांग्लादेश से बदला लेना चाहेगी। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि इस फॉर्मेट में उसे बांग्लादेश के खिलाफ 22 साल में अब तक 1 भी मुकाबले में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। 2-0 से सीरीज जीतने पर भारत WTC पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर भी आ सकता है।

■ आयकर छूट की सीमा 5 लाख होने की उम्मीद

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। केंद्र सरकार आयकर दाताओं को नई कर व्यवस्था के तहत आयकर छूट की सीमा 2.5 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने पर विचार कर सकती है। दो साल से लागू नई कर व्यवस्था को लेकर कम लोगों ने दिलचस्पी दिखाई है। अभी तक सिर्फ 10 से 12% आयकर दाता ने ही इस विकल्प को चुना। ऐसे में सरकार स्लैब में बदलाव करने की सोच रही है। मौजूदा समय में सालाना आय 2.50 लाख रुपए तक होने पर करदाता को टैक्स नहीं चुकाना होता है। सरकार का मानना है कि यह सीमा बढ़ने से करदाता के हाथ में पैसा बचेगा और वह अधिक खर्च कर पाएगा। सहमति बनी तो एक फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में इसकी घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कर सकती हैं।

■ मोदी ने मन की बात के लिए लोगों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को आकाशवाणी के माध्यम से देशवासियों से मन की बात करेंगे और इसके लिए उन्होंने लोगों से सुझाव मांगे हैं। मोदी रेडियो और दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए देशवासियों से रूबरू होंगे। मोदी का आगामी रविवार को प्रसारित होने वाला यह कार्यक्रम वर्ष 2022 का अंतिम है। इसके लिए उन्होंने देशवासियों से सुझाव मांगे हैं। उन्होंने मंगलवार को ट्वीट करके कहा, "2022 की आखिरी मन की बात इस महीने की 25 तारीख को होगी। मैं कार्यक्रम के लिए आपका सुझाव प्राप्त करने के लिए उत्सुक हूं।

16 दिसंबर को जयपुर में म्युजिक इवेंट में रहेंगे राहुल, हिमाचल के सीएम भी आएंगे

भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन होने पर जश्न मनेगा

एक प्रशंसक राहुल गांधी को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का तेल चित्र भेंट करता हुआ।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। कन्याकुमारी से 7 सितंबर को शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा 16 दिसंबर को 100 दिन पूरे कर रही है। इस दिन जयपुर में बॉलीवुड सिंगर सुनिधि चौहान का म्यूजिक इवेंट होगा। इवेंट में राहुल गांधी सहित सभी यात्री भी शामिल होंगे। हिमाचल प्रदेश के नए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सहित कांग्रेस के सभी 40 विधायक भी इस दिन यात्रा का हिस्सा होंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि 16 दिसंबर को ही राहुल गांधी दौसा में एक प्रेस कांफ्रेंस भी करेंगे। इससे पहले यात्रा में एक बेरोजगार उर्दू टीचर ने राजस्थान सरकार के स्टाफिंग पैटर्न की राहुल से शिकायत की। सवाई माधोपुर के इकराम अहमद ने कहा कि मुसलमानों को केवल वोट बैंक समझा जाता है, वोट के लिए याद किया जाता है, लेकिन जब मुसलमान को हक देने की बात आती है तो वह नहीं मिलता। उर्दू टीचर की भर्ती इसका उदाहरण है। इस पर राहुल ने पूछा की ऐसा क्यों कह रहे हैं, क्या हुआ। युवा ने कहा कि 2021 के बजट में 2100 उर्दू शिक्षकों की भर्ती की घोषणा की थी, लेकिन केवल 300 की भर्ती की। स्टाफिंग पैटर्न बदला गया, तब ये गोविंद सिंह डोटासरा ही शिक्षा मंत्री थे। इनके कार्यकाल से ही भर्ती अब तक अटकी है। राहुल गांधी ने डोटासरा से कहा कि युवाओं की रोजगार नौकरी की दिक्कतों को हर हाल में दूर किया जाए। इसके बाद राहुल गांधी ने बेरोजगार उर्दू टीचर को गले लगाया और उर्दू टीचर्स से लेकर माइनॉरिटी की दिक्कतों को दूर करने आश्वासन दिया।

समस्याओं का तत्काल समाधान करने को कहा

राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान लगातार लोगों से मिल रहे हैं। राहुल से किसान, मजदूर, व्यापारी सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र, खिलाड़ी अलग अलग मुलाकातें कर रहे हैं। राहुल गांधी को पिछले सप्ताह भर में राजस्थान से जुड़ी कई समस्याओं के बारे में फीडबैक मिला है। समाज के अलग-अलग तबके के लोगों ने राहुल से मिलकर सरकारी सिस्टम और योजनाओं से जुड़ी खामियां बताई हैं।लोगों से मिले फीडबैक के आधार पर राहुल गांधी ने सीएम अशोक गहलोत को कुछ बिंदुओं पर काम करने को कहा है। राहुल गांधी के सुझावों के आधार पर सरकार में अगले कुछ दिनों में बड़े फैसले होने की संभावना है।

नीतीश कुमार का बड़ा ऐलान

2025 में महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार होंगे तेजस्वी यादव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। बिहार की राजनीति में लंबे समय बाद एक नए युग की शुरुआत होने वाली है। बिहार में मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने वाला है। आज पटना में महागठबंधन विधायक दल की बैठक में इस बात की घोषणा स्वयं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की। नीतीश ने साफ किया राज्य में अगला चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

नीतीश के इस बयान का मतलब है कि बिहार में अगले विधानसभा चुनाव में तेजस्वी महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री के उम्मीदवार होंगे। इस समय बिहार में राष्ट्रीय जनता दल सबसे बड़ी पार्टी है, तेजस्वी यादव इसके सर्वमान्य नेता हैं। लालू यादव की बढ़ती उम्र और बिगड़ती सेहत के साथ-साथ तेजस्वी बिहार और राजद की राजनीति पर हावी हो रहे हैं। आज नीतीश कुमार के इस ऐलान ने तेजस्वी की सियासत के भावी रास्तों को और स्पष्ट कर दिया है। तेजस्वी की ताजपोशी के एलान से राजद कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।

जोधपुर सिलेंडर ब्लास्ट में अब तक 22 मौत

24 घंटे में दूल्हे के मां-बाप और भतीजा भी चल बसा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। जोधपुर में हुए गैस सिलेंडर ब्लास्ट के हादसे में मौतों का सिलसिला रुक नहीं रहा है। पांच दिन पहले हुए इस ब्लास्ट में मंगलवार को चार और मौतें हुईं। दम तोड़ने वालों में दूल्हे के पिता और एक मासूम भतीजा शामिल है। इस भीषण हादसे में अब तक 10 बच्चे दम तोड़ चुके हैं। जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती अन्य 8 की हालत गंभीर है। इससे पहले सोमवार को इलाज के दौरान दूल्हे की मां सहित 6 लोगों की मौत हो गई थी। मौतों का आंकड़ा बढ़कर अब 22 हो गया है। जिन लोगों ने दम तोड़ा वे 50% से अधिक झुलसे हुए थे।

मंगलवार को महात्मा गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दूल्हे के पिता सगत सिंह (55), दिलीप कुमार (24), सुगन कंवर (56), आईदान सिंह (9) की डेथ हो गई। करीब आठ लोग अभी भी आईसीयू में हैं। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मंगलवार को हुई मौतों की जानकारी मिलने पर कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने भी अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने घायलों के इलाज के बारे में मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दिलीप कच्छावा और अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजश्री बेहरा से इलाज के बारे में जानकारी ली। फिलहाल यहां पर मरीजों के परिजनों के लिए एक काउंसिलिंग कक्ष बनाया गया है। इसमें बैठे अस्पताल के स्टाफ मरीजों के इलाज के बारे में पूरी जानकारी देंगे। पांच दिन में 22 मौतों का आंकड़ा काफी बड़ा है। अस्पताल में लाने के बाद 20 लोग दम तोड़ चुके हैं। अभी भी 32 लोग हॉस्पिटल में भर्ती हैं। उधर, जिला प्रशासन ने जोधपुर के कीर्तिनगर एवं भूंगरा (शेरगढ़) में हुए हादसों को देखते हुए जिले के सभी बीपीसीएल/आईओसीएल/एचपीसीएल गैस एजेंसीधारकों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

7022 200 800
www.ayu.health
Ante
Maane
Porul
Andre
Hospital Matlab Ayu Health
Mhanje
Atan
Means
Artha
Many Locations. One Trusted Name.
130+ HOSPITALS | 3000+ SPECIALISTS | 1,00,000+ HAPPY PATIENTS
BENGALURU I NCR I CHANDIGARH I JAIPUR I HYDERABAD

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039